मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 314
भोपाल, बुधवार
28 जनवरी 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को नन्हे कलाकारों की...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

स्वितोलिना ने गॉफ को पराजित किया सेमीफाइनल में... 06

इंदौर में दूषित पानी से 29वीं मौत!

परिजनों ने शव रखकर किया चक्काजाम

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में उल्टी दस्त से 29वीं मौत होने की खबर है। बताया जा रहा है कि मृतक ने दो बार स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज कराया था। वहीं परिजनों ने भागीरथपुरा चौक पर

शव रखकर प्रदर्शन किया। इधर, हाईकोर्ट ने दूषित पानी मामले में सुनवाई करते हुए स्वतंत्र जांच के आदेश दिए हैं। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में उल्टी दस्त से 29वीं मौत का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि 62 वर्षीय खूबचंद बंधोनियां पिता गन्नूदास की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन उनकी जान चली गई। मृतक ने दो बार स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज कराया था। वहीं परिजनों ने अंत्येष्टी से पहले शव को भागीरथपुरा चौकी पर रखकर विरोध जताया। इधर, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार यानी 27 जनवरी को सुनवाई हुई। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौत के मामले पर करीब ढाई घंटे से ज्यादा सुनवाई चली। कोर्ट में 23 मौतों की रिपोर्ट पेश की गई।

द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका कोर्ट में आज सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब कोर्ट परिसर में बम रखे होने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गया। बम की धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। साइबर सेल धमकी भरे मेल की जांच कर रही है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। साइबर सिटी में 13 निजी स्कूलों में बुधवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी कर दी और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित स्कूलों में पुलिस की टीमों ने पहुंचकर सर्च अभियान शुरू कर दिया।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का समर्थन किया

नई दिल्ली। देशभर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। इन नियमों का मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकना बताया गया है, लेकिन इसके विरोध में कई जगह छात्र और सामाजिक संगठन सड़कों पर उतर आए हैं। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 का बचाव करते हुए बुधवार को कहा कि सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा इस कदम का विरोध ''बिल्कुल भी उचित नहीं है''।

अंतर्मना उवाच

मुझको मेरा प्यारा भारत देश चाहिए.. धोती कुर्ता साड़ी लहंगा वेश चाहिए..

राष्ट्रीय पर्व प्रत्येक भारतीय के भीतर छिपे संस्कृति, सदभाव संस्कार को जगाने का पर्व है, जहां गर्व है, जिम्मेदारी है और भविष्य को बेहतर बनाने का जुनून जज्बा भी है।

- **भारत की पहचान** - भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है, जिसकी भौगोलिक संरचना जितनी विशाल है, सांस्कृतिक विविधता उतनी ही रंगीन है। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर

हिंद महासागर की लहरों तक, भारत का हर कोना अपनी अलग पहचान रखता है। अनेक भाषाएं, सैकड़ों बोलियां, विभिन्न धर्म और परंपराएं - **सब मिलकर भारत को विविधता में एकता का जीवंत उदाहरण बनाती है।** यही विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत है और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण करती है।
- **राष्ट्रीय पर्व के साथ कार्य और कर्तव्यों का बोध** -- गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि कर्तव्यों से भी मजबूत होता है। **स्वच्छता, पर्यावरण, संरक्षण, गौ रक्षा, सामाजिक समरसता और ईमानदारी जैसे छोटे-छोटे प्रयास मिलकर एक बड़े राष्ट्र का निर्माण करते हैं।** यह दिन हमें अंदर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता को नमन करने के साथ-साथ, एक विकसित आत्मनिर्भर और समावेशी भारत के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा भी देता है।
- **विचारों के संवाद से बनी राष्ट्र के संविधान की रीढ़** -- भारतीय संविधान दुनिया की सबसे विस्तृत और जीवंत संविधानो में से एक है। **डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में बनी यह व्यवस्था केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक, नैतिक, धार्मिक और व्यवहारिक परिवर्तन का माध्यम बनी।** शिक्षा का अधिकार, सामानता का सिद्धांत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म निरपेक्षता जैसे मूल्य भारत को एक आधुनिक प्रगतिशील राष्ट्र बनाते हैं। यही कारण है कि भारत विविधताओं से हरा भरा होने के बावजूद एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ रहा है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री को ले जा रहा विमान बारामती में दुर्घटनाग्रस्त

नहीं रहे अजित दादा

तीन दिन का राजकीय शोक

- विमान में सवार सभी 5 लोगों की मौत हो गई
- अजित पवार के निधन से पूरा देश स्तब्ध

मुंबई/नई दिल्ली ■ एजेंसी

एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ले जा रहा एक विमान बारामती में हादसे का शिकार हो गया। बुधवार सुबह महाराष्ट्र के बारामती में लैंड के वक्त प्लेन के क्रैश की घटना हुई। अजित पवार चुनाव प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे। हादसे में अजित पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई।

महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए अप्रोच कर रहा था। पहली बार में पायलट को रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। रिपोर्ट के अनुसार उस समय विजिबिलिटी करीब 2 हजार मीटर थी। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इसी दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। इसके तुरंत बाद उसमें आग लग गई। यह भी जानकारी मिली है कि लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने मेडे कॉल भी नहीं किया था। घटना के समय बारामती के फ्लाइंग क्लब में कोई विमान उड़ान पर नहीं था। घटना के बाद प्राइवेट चार्टर्ड विमान पूरी तरह से जल गया है। हादसे के समय अजित के चाचा शरद पवार मुंबई और सुप्रिया सुले दिल्ली में थे। जानकारी मिलते ही वे परिवार के साथ बारामती के लिए रवाना हो गए। कई रिश्तेदार और राजनीतिक समर्थक उनके मुंबई आवास के लिए रवाना हो गए हैं। हादसे में अजित पवार के निधन के बाद उन्हें बारामती के ही एक हॉस्पिटल में ले जाया गया। पार्थिव शरीर के अस्पताल पहुंचते ही परिसर में हजारों समर्थकों का पहुंच गए हैं। इमरजेंसी वार्ड के बाहर लोगों का हुजूम उमड़ा हुआ है।

अजित पवार और बारामती का तीन दशक पुराना रिश्ता

अजित पवार की राजनीतिक पहचान बारामती से अटूट रूप से जुड़ी हुई है, जिससे उन्हें इस क्षेत्र में दादा (बड़े भाई) का लोकप्रिय नाम मिला। उन्होंने 1991 में अपनी चुनावी यात्रा शुरू की, जो बारामती के साथ एक राजनीतिक जुड़ाव की शुरुआत थी जो तीन दशकों से अधिक समय तक चला। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए अपने पहले चुनाव के बाद से, उन्होंने लगातार बारामती निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और यह सीट लगातार आठ बार जीती। साल 2024 के विधानसभा चुनावों में भी यहां से उन्हें जीत मिली। अजित पवार का प्रभाव सहकारी क्षेत्र में विशेष रूप से चीनी मिलों और ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क में बहुत गहरा था। उन्होंने 16 वर्षों तक (1991-2007) पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिससे जमीनी स्तर पर उनका नियंत्रण और संस्थागत प्रभाव मजबूत हुआ। यह लंबी और गहरी व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा आज दुखद रूप से खत्म हो गई।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजीत पवार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। ममता ने कहा- कोई सुरक्षित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सही जांच होनी चाहिए। क्या यह बेवजह डर फैलाना है या कोई साजिश। समय बताएगा। हालांकि, सबसे आसान काम पायलट को दोष देना है, जैसा कि हमने पहले दो मामलों में देखा है। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अजीत पवार के अचानक निधन से बहुत सदमे में हूं। दिवंगत अजित पवार के परिवार, उनके चाचा शरद पवार और उनके सभी दोस्तों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

दिग्गजों ने जताया शोक

प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त की संवेदना

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भावुक पोस्ट में लिखा, बारामती, महाराष्ट्र में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजन खो दिए। मैं इस क्षण में शोकग्रस्त परिवारों के लिए शक्ति और साहस की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी ने लिखा, अजित पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत संबंध था। उन्हें महाराष्ट्र के लोगों की सेवा में मेहनती और समर्पित व्यक्ति के रूप में व्यापक सम्मान मिला। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब व वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी उल्लेखनीय था। उनका आकस्मिक निधन बेहद स्तब्ध करने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ? शांति।

उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा: राष्ट्रपति मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित का निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में, विशेषकर सहकारी क्षेत्र में, विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा।

गरीबों, वंचितों और पिछड़ों की सेवा में सदैव समर्पित रहे: सीएम डॉ. यादव

सीएम डॉ मोहन यादव ने पोस्ट कर लिखा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार गरीबों, वंचितों और पिछड़ों की सेवा में सदैव समर्पित रहे। महाराष्ट्र के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा। वे जमीन से जुड़े नेता थे। उनके असामयिक निधन पर मैं श्रद्धांजलि व्यक्त करता हूं। बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह कष्ट सहने की शक्ति दें।

- पीएम मोदी और अमित शाह ने देवेंद्र फडनवीस से ली हादसे की जानकारी
- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान में भयानक विस्फोट हुआ
- अजित पवार की पत्नी, उनके बेटे-बहू, प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले को ले जा रहा हेलीकॉप्टर दिल्ली से रवाना हुआ

मैंने एक मजबूत और उदार दोस्त खो दिया: फडणवीस

अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र में तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे पर दुख भी जताया और फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को हादसे की जानकारी भी दी। सीएम फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए आज का दिन दुखद है। उनका जाना अविश्वसनीय और चौंकाने वाला है। व्यक्तिगत रूप से, मैंने एक मजबूत और उदार दोस्त खो दिया है। वहीं डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने हादसे की जांच की अपील की है।

जमीन पर गिरते ही आग का गोला बन गया विमान, हुए कई धमाके

अजित पवार का विमान लैंडिंग स्ट्रिप छोड़कर बगल मौजूद इलाके में गिर गया। लैंडिंग करते वक्त ही विमान का कंट्रोल गड़बड़ हो गया. चश्मदीदों ने बताया कि लैंडिंग की कोशिश करते वक्त विमान लड़खड़ाया और पल भर में हादसे का शिकार हो गया। क्रैश होने के बाद करीब पांच धमाके हुए और विमान आग का गोला बन गया। हादसे के बाद प्लेन पूरी तरह से जल कर नष्ट हो गया और इसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई।

डीजीसीए ने क्या कहा?

डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) अधिकारियों की एक टीम दुर्घटनास्थल की ओर जा रही है। डीजीसीए ने बताया कि दुर्घटना के समय लेयरजेट 45 विमान में पांच यात्री, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ दो और कर्मी (एक पीएसओ और एक अटेंडेंट) और दो क्रू सदस्य सवार थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान दुर्घटना में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा।

संसद के बजट सत्र की शुरुआत....

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को किया संबोधित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने देश की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा, संसद के इस सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और विरासत के उत्सव के रूप में यादगार रहा। पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। नागरिक बंकिम चंद्र चटर्जी को उनकी इस महान प्रेरणा के लिए नमन कर रहे हैं। मैं सभी सांसदों को बधाई देती हूं कि संसद में इस विषय पर विशेष चर्चा हुई।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। वहीं, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे विकसित भारत की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है।

मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने

गिनाई देश की उपलब्धियां

हमें सिखाया है भय कहूं को देत नेहन नेहन भय मानत आन। इसका अर्थ है कि हमें न तो किसी को डराना चाहिए और न ही किसी से डरना चाहिए। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और बुद्धिमत्ता के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता देखी। अपने संसाधनों से हमारे देश ने आतंकवाद के गढ़ों को नष्ट किया। मेरी सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर होने वाले सभी हमलों का जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखा गया है। यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का एक हिस्सा है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम चल रहा है।

देश शताब्दी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, वर्ष 2026 के साथ हमारा देश इस शताब्दी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। भारत के लिए, इस शताब्दी के पहले 25 वर्षों का अंत कई सफलताओं, गौरवपूर्ण उपलब्धियों और असाधारण अनुभवों से भरा रहा है। पिछले 10-11 वर्षों में, भारत ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है। यह वर्ष विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत-ग्राम विकास कानून बनाया गया है। इस नए सुधार से गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। इस दौरान एनडीए-भाजपा सांसदों ने तालियां बजाकर अपनी सराहना व्यक्त की। वहीं विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध जताते हुए कानून को वापस लेने की मांग करने लगे।

एनडीए से महिला कैडेटों का पहला बैच उत्तीर्ण हुआ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, मेरी सरकार की प्रगतिशील सोच और नीतियों के फलस्वरूप, देश के हर महत्वाकांक्षी क्षेत्र में महिलाओं ने तेजी से प्रगति की है। इसी दिशा में कुछ महीने पहले देश ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से महिला कैडेटों का पहला बैच उत्तीर्ण हुआ। इससे यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है कि देश के विकास और सशक्तिकरण में नारी शक्ति सर्वोपरि है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से छोड़ा माघ मेला

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे माघ मेला से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने का ऐलान किया है। बुधवार सुबह आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में

बोले- ऐसी कभी कल्पना नहीं की थी

उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेला में आए थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गईं कि बिना स्नान किए ही लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हमेशा से शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है और यहां से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक है। शंकराचार्य ने बताया कि एक ऐसी घटना घटी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी, जिससे उनका मन व्यथित हो गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में स्नान करना उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि आस्था का विषय था। मौजूदा हालात में उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन निर्णय लिया।

साईबर सुरक्षा के बारे में किया जागरूक

ढाबला, सीहोर। ग्राम पंचायत ढाबला में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के तत्वाधान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल सेवाओं की सही जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड रखने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल भुगतान, आधार सेवाएं, ऑनलाइन सरकारी योजनाओं और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत ढाबला से वीरेन्द्र मेवाड़ा, अरुण प्रताप, शुभम राजपूत, दीपक सेन, अभिषेक राठौर सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

चैनपुरा, सीहोर। चैनपुरा ग्राम में दिन रविवार साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए। ओटीपी और बैंक जानकारी साझा न करने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी से सतर्क डिजिटल नागरिक बनने की अपील की गई। कार्यक्रम में दीपक शर्मा, पूजा सेन, दीपिका मीणा , आनंद मीणा , विनोद शर्मा, मनोहर मीणा, अंकित, कुलदीप, रोहित, महेश एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही।

खरगोन महिला किसान का सम्मान

ख़रगोन। आप हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो खेत से दूर रहना शान समझती है। भारत सरकार ने हमारी भाभीजी श्रीमती सीमा पति बालकृष्ण कान्हा भाई डालकी को एक महिला किसान के नाते गणतंत्र दिवस 2026 दिल्ली के समारोह में आमंत्रित की गई और सम्मिलित भी हुई। भाभीजी ने हम सबको गौरान्वित किया है। यह पूरे निमाड़ के लिए गर्व की बात है। हम सभी बहुत, बहुत बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए उनका हार्दिक हार्दिक अभिनन्दन करते है ।

सिवनी मालवा-लोखर तलाई मार्ग बदहाल, हर कदम पर हादसे का खतरा

जगह-जगह गड्ढों से क्षतिग्रस्त लोखर तलाई रोड, ग्रामीणों में आक्रोश

सिवनी मालवा ■ निसं

तहसील के ग्राम लोखरतलाई और आदिवासी अंचल के लिए जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत इन दिनों बदहाल होती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त सड़क के चलते आए दिन वाहन फिसलने और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीण भोला रघुवंशी ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी और किसान आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है।

बरसात के समय गड्ढों में पानी भर जाने से वे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक दिक्कत होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग को सड़क मरम्मत को लेकर अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि लोखर तलाई रोड की शीघ्र मरम्मत कर गड्ढों को भरा जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

झाड़बीडा से आंवली घाट तक निकाली चुनरी यात्रा

सिवनी मालवा ■ निसं

नर्मदा जयंती पर झाड़बीडा से आंवली घाट तक श्रद्धालुओ ने चुनरी यात्रा निकाली। इस चुन्नी यात्रा मे ग्राम झाड़बीडा, नाहरकोला, बिल्दी के श्रद्धालू पुरुष महिलाये और बच्चे सेंकड़ों की संख्या मे शामिल हुए। झाड़बीडा से सुबह चुनरी यात्रा माँ नर्मदा की पूजन के साथ प्रारम्भ हुई। जो शाम लगभग 5 बजे आंवली घाट पहुंची जहा माँ नर्मदा का पूजन आरती करके यात्रा मे शामिल सभी महिला पुरुषों ने दीपदान किया। इसके पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया। चुनरी यात्रा मे सरपंच उमेश सिंह राजपूत, शुभम राजपूत, राकेश शर्मा, आकाश राजपूत सहित सेकड़ो ग्रामवासी शामिल हुए।

गणतंत्र दिवस पर आन-बान और शान से लहराया तिरंगा

बुधनी ■ निसं

नगर सहित ग्रामीण अंचलों में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास, उल्लास और देशभक्ति के वातावरण में गरिमापूर्वक मनाया गया। सुबह से ही नगर तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया। शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति नारों के साथ प्रभातफेरी निकाली गई, जिससे वातावरण देशप्रेम से ओत-प्रोत हो गया।

नगर के सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, बैंक, पंचायत भवनों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया गया। लोगों ने एक-दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

नगर का मुख्य समारोह दशहरा मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संविधान की गरिमा, लोकतंत्र की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक परेड मार्च प्रस्तुत की गई, जिसने दर्शकों की सराहना बटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह के दौरान शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही नगर एवं जनपद स्तर पर विभिन्न शासकीय विभागों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय, एसडीएम डी.एस. तोमर, तहसीलदार ललित सोनी, विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, शिक्षकगण, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह के समापन पर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया गया तथा वंदे मातरम् और भारत माता की जय के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय हरदा में 5 दिवसीय करियर मेले का भव्य शुभारंभ

हरदा ■ निसं

स्थानीय डॉ. बी.आर. अंबेडकर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मंगलवार, 27 जनवरी 2026 से पांच दिवसीय 'करियर मेले' का आगाज उत्साहपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की विभिन्न राहों और करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करना है कार्यक्रम का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है।

मां सरस्वती के पूजन से हुई शुरुआत: कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और संस्था के प्राचार्य श्री एस.के. यादव , नोडल अधिकारी संजय बोरसे एवं मुख्य करियर काउंसलर श्रीमती ज्योति तिवारी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं कक्षा 9 वीं से 12 वीं के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन: उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य श्री यादव ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सही समय पर सही दिशा का चुनाव करना अनिवार्य है। यह पांच दिवसीय मेला विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता पहचानने में मदद करेगा। करियर काउंसलर ज्योति तिवारी और संजय बोरसे ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि आने वाले पांच दिनों में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ विद्यार्थियों को प्रोफेशनल कोर्सेज, प्रतियोगी परीक्षाओं और स्वरोजगार के अवसरों की बारीकियों से अवगत कराएंगे।

मेले की मुख्य विशेषताएं: करियर गाइडेंस सत्र: प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर कार्यशाला।

काउंसलिंग डेस्क: व्यक्तिगत करियर परामर्श की सुविधा।

प्रदर्शनी: आधुनिक दौर के नए करियर विकल्पों की जानकारी।

यह आयोजन 31 जनवरी तक निरंतर जारी रहेगा, जिसमें जिसमें कैरियर गाइडेंस के साथ वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी और तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर भी छात्रों का मार्गदर्शन किया जाएगा ।

नर्मदा जयंती पर भिलाड़िया घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

पूजा-अर्चना के साथ हुआ अभिषेक, चुनरी चढ़ाकर की सुख-शांति की कामना की

सिवनी मालवा ■ निसं

विधानसभा क्षेत्र के शिवपुर तहसील स्थित पावन भिलाड़िया घाट पर माँ नर्मदा जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्मदा तट पर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालुओं का नर्मदा तट पर आगमन प्रारंभ हो गया था, जिससे पूरा घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने नर्मदा तट पर सामूहिक पूजन-अर्चन कर माँ नर्मदा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के समय 'नर्मदे हर' के जयघोष से पूरा घाट गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने माँ नर्मदा को मध्यप्रदेश की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि नर्मदा नदी न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान है, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार भी है। उन्होंने नर्मदा संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। मां नर्मदा जयंती महोत्सव के अवसर पर भिलाड़िया घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। आयोजन के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की महोत्सव के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर और पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी विशेष रूप से भिलाड़िया घाट पहुंचे। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना कर अभिषेक किया। इसके पश्चात माँ नर्मदा को विशाल चुनरी अर्पित की गई, जो श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, भाजपा नेता योगेन्द्र सिंह मंडलोई, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मृगेंद्र सिंह मंडलोई, किसान नेता यशवंत पटेल, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वेन्द्र सिंह मंडलोई सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एनटीपीसी खरगोन में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया

खरगोन ■ निसं

एनटीपीसी खरगोन में गणतंत्र दिवस का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर श्री मोहन वी., बीयूएच, खरगोन ने शौर्य क्रीड़ांगन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पूर्व दिन की शुरुआत में सेवा भवन में श्री जी. राजशेखर, महाप्रबंधक (ओएंडएम) द्वारा ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को गरिमामय बनाते हुए बाल भवन के विद्यार्थियों द्वारा सजीव रूप में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री मोहन वी. ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एनटीपीसी की गौरवशाली यात्रा और राष्ट्र निर्माण में इसके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने वर्ष के दौरान खरगोन स्टेशन की प्रमुख उपलब्धियों एवं सफल पहलों को भी रेखांकित किया। इसके पश्चात बीयूएच द्वारा सीआईएसएफ, फायर विंग, डीजीआर एवं बीबीपीएस विद्यालय की परेड टुकड़ियों का निरीक्षण किया गया। एकता एवं सामूहिक गौरव के प्रतीक स्वरूप विभागाध्यक्षों, डीआरओ, वरिष्ठ अधिकारियों, एसोसिएशन एवं यूनियन के सदस्यों तथा अहिल्या महिला मंडल द्वारा तिरंगे गुब्बारों का प्रतीकात्मक विमोचन किया गया।

समारोह को और भी रंगारंग बनाते हुए नन्हे कदम, बाल भवन, अहिल्या महिला मंडल, बीबीपीएस, सीआईएसएफ फायर विंग एवं सीआईएसएफ परिवार के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण खेड़ी गांव की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य रहा, जिसे दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। इसके उपरांत बीयूएच मेरिटोरियस अवॉर्ड्स के माध्यम से उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही समारोह में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों एवं बीई, 5एस, स्वच्छता पखवाड़ा, मेधा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

शासकीय विधी महाविद्यालय खरगोन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77 वां गणतंत्र उत्सव

खरगोन ■ निसं

खरगोन के शासकीय विधी महाविद्यालय में आज 77 वा गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमामय और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया महाविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया राष्ट्रगान के पश्चात उपस्थित जन समूह ने तिरंगे को सलामी दी। विधि महाविद्यालय होने के नाते इस अवसर पर विशेष रूप से सभी प्राध्यापक को और विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दिग्विजय सिंह मंडलोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र का अर्थ केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि संविधान के द्वारा दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना है? विधि के विद्यार्थियों के कंधों पर भी न्याय पूर्ण समाज बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत और भाषण प्रस्तुत किए गए विशेष रूप से भारतीय संविधान का निर्माण विषय पर प्रस्तुत भाषण को काफी सराहा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री चंद्रभान द्विवेदी सुश्री तृप्ति जायसवाल श्री पीएस रावत सुश्री तृप्ति सोनी सुश्री शिवांगी निराले सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

मोरन नदी में बढ़ा जल स्तर सब्जी की खेती तबाह

सिवनीमालवा। मोरन नदी मे सोमवार को अचानक जल स्तर बढ़ जाने से सब्जी की खेती तबाह हो जाने से किसानो को लाखो रूपये का नुकसान हो गया। मोरन नदी मे अचानक जल स्तर बढ़ गया जिसके कारण अमलाड़ा कला के सब्जी वाले किसानों की पुरी सब्जी की फ़सल पानी मे बह गयी। जिसके कारण किसानों की पूरी फ़सल तबाह हो गयी। किसानों ने यहां सब्जी के लिए खाद बीज़ की व्यवस्था कर सब्जी लगायी थी जिसके लिए लाखो रुपया खर्च हुआ था। किसानों ने राजस्व विभाग से मांग की है कि उनके हुए नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे करके उन्हे तबाह फ़सल का मुआवजा दिलाया जाए।

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय की

एनसीसी कैडेट ने आरडीसी दिल्ली में लहराया सफलता का परचम

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, नर्मदापुरम की एनसीसी कैडेट्स ने लगातार दूसरे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। जनवरी 2026 में आयोजित रिपब्लिक डे कैंप (ऋष्ठ) परेड, नई दिल्ली में महाविद्यालय की सीनियर अंडर ऑफिसर कुमारी पूनम धुर्वे ने सहभागिता कर अपनी मेहनत और लगन से सफलता का परचम लहराया।

कुमारी पूनम धुर्वे एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभाशाली छात्रा हैं, जिन्होंने कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर आरडीसी दिल्ली 2026 में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे जिले में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट अत्यंत अनुशासित, लगनशील एवं मेहनती है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की कैडेट्स निरंतर नेशनल कैंप, फायरिंग कैंप आदि में चयनित होती रही हैं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब कड़ी मेहनत एवं समर्पण के कारण आरडीसी में महाविद्यालय की कैडेट का चयन हुआ है। छात्राओं ने एनसीसी के नियमों एवं अनुशासन को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है।उन्होंने यह भी बताया कि महाविद्यालय की पूर्व एनसीसी कैडेट्स आज विभिन्न विद्यालयों में स्पोर्ट्स टीचर के रूप में सेवाएं दे रही हैं तथा मध्य प्रदेश पुलिस में भी कई पूर्व कैडेट्स का चयन हो चुका है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में छात्राओं का निरंतर आगे बढ़ना महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

जगह जगह शान से फहराया तिरंगा. नपा ने नगर की प्रतिभाओं को किया सम्मनित

सिवनी मालवा ■ निसं

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर जगह जगह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से फहराया गया। न्यायालय परिसर मे जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मती तबस्सुम खान ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण कार्यक्रम मे न्यायाधीश अंजली अग्रवाल, सरोज डेहरिया, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगरपालिका कार्यालय मे नगरपालिका उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शैलेन्द्र गौर ने ध्वजारोहण किया। जयस्तम्भ चौक पर नगरपालिका अध्यक्ष रितेश जेन ने ध्वजारोहण किया। एस डी ओ पी कार्यालय मे एस डी ओ पी महेंद्र सिंह चौहान ने, थाना परिसर मे थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। तहसील कार्यालय मे एस डी ओ विजय राय ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर तहसीलदार नितिनकुमार झोड़, शंकरसिंह रघुवंशी, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान सभी राजस्व निरीक्षक, पटवारी, एवं तहसील कार्यालय के सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद कार्यालय मे जनपद अध्यक्ष श्रीमती रेणुका मंडलोई ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर समस्त जनपद सदस्य गण, जनपद सी ई ओ श्रीमती श्रुति चौधरी एवं जनपद कार्यालय के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे। गांधी चौक पर कांग्रेस पदाधिकारीयो के साथ कांग्रेस जनो ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद गांधी जी की प्रतिमा पर भाजपा के पदाधिकारीयों एवं भाजपाइयों ने माल्यार्पण किया। आई टी आई के ग्राउंड पर नगर का ध्वजारोहण का मख्य कार्यक्रम हुआ जहां राजयसभा सांसद माया नरोलिया ने ध्वजारोहण किया। नपाध्यक्ष रिंकू जेन ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। नगर के इस मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम मे नगर के स्कूलों के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। एन सी सी के केडेट्स भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। स्कूली बच्चो ने इस अवसर पर भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिनमे लघु नाटका, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियो के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। राज्य सभा सांसद ने नगर विकास के लिए 25 लाख रुपया देने की घोषणा की विद्यायक प्रेमशंकर वर्मा ने नगर के सभी 15 ही वार्डो मे 2-2 लाख रुपया विकास कार्यो के लिए देने की घोषणा की। वही नगरपालिका द्वारा नगर प्रतिभावान खिलाड़ियों और उच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों को तथा नगरपालिका मे अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया। शिव सेना कार्यालय मे शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष पिंटू राठौर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर शिवसेना के योगेश राठौर, नाना भाई, संदेश कुचबंदिया, अमित पेंटर, कन्हैया मामा, आकाश निम्बोदिया, मंगेश कुचबंदिया सहित अनेक शिवसेनिक उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत मालापाट मे सरपंच चंद्रशेखर व्यास ने ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर स्कूल के छात्र छात्राएं आंगनवाड़ी सहयिका, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत पिपलिया कला मे सरपंच श्रीमती शांतिबाई संतोष कलमे ने ध्वजारोहण किया।

एलाइट स्कूल का 44वां वार्षिकोत्सव

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को नन्हे कलाकारों की भावपूर्ण श्रद्धांजलि, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के एलाइट हायर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय (23 और 24 जनवरी 2026) '44वां वार्षिक उत्सव-2026' धूमधाम से संपन्न हुआ। कभी महज 35 विद्यार्थियों के साथ एक छोटे से पौधे के रूप में शुरू हुआ यह विद्यालय आज 2200 विद्यार्थियों के विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला।

सांस्कृतिक रंग और भावुक पल: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा और दक्षिण-पश्चिम विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद छात्रों ने गणेश वंदना, स्वागत गान और कठपुतली नृत्य से समां बांध दिया।समारोह का सबसे भावुक पल वह था जब छात्रों ने हाल ही में हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। इस मार्मिक प्रदर्शन ने वहां मौजूद सभी अभिभावकों और अतिथियों की आंखें नम कर दीं। इसके अलावा, 'ट्रिब्यूट टू इंडियन आर्मी' और फैंसी ड्रेस शो में रानी लक्ष्मीबाई, रतन टाटा और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महानायकों के प्रदर्शन ने खूब तालियां बटोरीं।

प्रतिभाओं का सम्मान: शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मंच से सम्मानित किया गया।

विशेष उपलब्धि: विद्यालय की मेधावी छात्रा कु. अश्विनी केवट को 24 जनवरी को कलेक्टर महोदय द्वारा 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

अभिभावकों का सम्मान: एक अनोखी पहल करते हुए शाला परिवार ने समय की पाबंदी रखने वाले अभिभावकों को 'पंक्चुअलिटी पुरस्कार' से नवाजा।

अतिथियों ने की अनुशासन की सराहना

मुख्य अतिथियों ने स्कूल के अनुशासन और लगातार मेरिट में स्थान बनाने की परंपरा की सराहना की। संस्था के चेयरमैन आई.एल. मेहता, सेक्रेटरी अभय मेहता और प्रिंसिपल डॉ. शिल्पा कोठारी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन उप प्राचार्य डॉ. संतोष विश्वकर्मा के आभार प्रदर्शन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सराफा बाजार की अनिश्चितताओं से कारीगरों की रोजी-रोटी मुश्किल

संदीप गर्ग
गांधी सराफा बाजार विशेषज्ञ

कमल सोनी
सराफा कारीगर

भोपाल ■ जगत शर्मा

पिछले लंबे समय से सराफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में लगातार बढ़ोतरी के कारण छोटे-छोटे व्यापारी और कारीगर अब बेरोजगारी और रोजी-रोटी के संकट के कगार पर पहुंच चुके हैं। लगभग पिछले कुछ महीनों से तो हालात ऐसे हैं ,कि सराफा बाजार में सोने चांदी के बढ़ते भाव के कारण मंदी छाई हुई है। इसी बीच बाजार विशेषज्ञों का मानना है ,कि सोने चांदी का 80 प्रतिशत काम हस्तशिल्प द्वारा कारीगरों के माध्यम से होता है। त्योहार और शादी विवाह के अवसर पर इन्हें अच्छी मजदूरी मिल जाती है, जिसके कारण इनका घर परिवार ठीक से चलता है । लेकिन पिछले दिनों से लगातार सोने चांदी के बढ़ते भाव के कारण अब लोग विकल्प के तौर पर आर्टिफिशियल ज्वेलरी पर भरोसा कर रहे हैं, जो की मशीनों द्वारा तैयार होती है । यह भी एक बड़ी वजह है जिसके कारण कारीगरों को काम मिलना बंद हो चुका है।

मंदी के दौर में मुश्किल से परिवार पाल पा रहे हैं-कमल सोनी, सराफा कारीगर

न्यू मार्केट इलाके में संचालित सराफा बाजार में अपनी छोटी सी गुमटी चलने वाले सर्राफा कारीगर कमल सोनी ने अपनी व्यथा दैनिक अमृत दर्शन को सुनते हुए कहा- कि लंबे समय से सोने चांदी के भाव लगातार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण हम जैसे छोटे-छोटे कारीगर लगभग बेरोजगार हो चुके हैं ।अब बड़ी मुश्किल से काम मिल रहा है। क्योंकि हम हाथ के कारीगर हैं और हाथ से सोने चांदी के गहने बनाते हैं ,जिसकी मजदूरी के कारण ही हमारा परिवार पलता है ।लेकिन अब सोने चांदी के बढ़ते भाव के कारण हमें काम मिलना लगभग बंद सा हो गया है ।लोग आर्टिफिशियल ज्वेलरी खरीदने लगे हैं,जो मशीनों से बनती है, अब हम किसी तरह से बड़ी मुश्किल से अपने परिवार को जैसे तैसे करके इस समय पाल पा रहे हैं। सरकार की तरफ से भी हम लोगों के लिए कोई राहत नहीं है ,आगे क्या होगा यह तो भगवान ही जानता है।

असंगठित है सराफा कारीगर, सरकार उनकी मदद करे -संजीव गर्ग गांधी

वहीं इस पूरे मामले पर सराफा बाजार के विशेषज्ञ संजीव गर्ग गांधी ने बताया कि चांदी का 80 परसेंट कम बंद होने के कगार पर है । लगातार भाव बढ़ने के कारण छोटे-छोटे दुकानदार और कारीगर सबसे अधिक प्रभावित हैं। सरकार को इस समय जीएसटी और इंपॉर्टेंट टैक्स कम करना चाहिए । वहीं जो असंगठित सर्राफा कारीगर है उन्हें कुछ ना कुछ राहत पैकेज भी देना चाहिए। क्योंकि उनके परिवार इस समय सबसे ज्यादा संकट में है ,और संघर्ष कर रहे हैं ।1978 और 2011 में भी इसी तरह का समय आया था जो काफी लंबे समय तक चला था ।सराफा बाजार को बचाने के लिए अब गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है ।

इस समय पूरे विश्व में युद्ध का माहौल है, और अमेरिका के डॉलर को कमजोर करने के लिए चीन लगातार प्रयास कर रहा है ,जिसका असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने चांदी के भाव पर सीधे तौर पर पड़ रहा है । अभी यह नहीं कहा जा सकता कि ऐसा वातावरण कब तक रहेगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है ,कि फिलहाल सोने चांदी के भाव इसी तरह से ऊपर नीचे होते रहेंगे ,और इस व्यापार से जुड़े छोटे-छोटे दुकानदार कारोबारी कारीगर सब प्रभावित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

माघ मेला पर यात्री आवागमन कम होने के चलते इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस के चुनार तक विस्तारित कुछ फेरे निरस्त

भोपाल। प्रयागराज माघ मेला-2026 के दौरान यात्री आवागमन में अपेक्षाकृत कमी को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधा एवं परिचालन आवश्यकता के अनुसार इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस के चुनार जं तक विस्तारित कुछ फेरों को आंशिक रूप से निरस्त किया गया है। प्रयागराज छिवकी-चुनार के बीच आंशिक निरस्त 6 फेरे- 1.गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी-चुनार के बीच दिनांक 29.01.2026 तक आंशिक निरस्त रहेगी। 2.गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस चुनार-प्रयागराज छिवकी के बीच दिनांक 30.01.2026 तक आंशिक निरस्त रहेगी। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व अपनी गाड़ी की स्थिति की जानकारी रेलवे पूछताछ सेवा 139, एनटीईएस, अथवा आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप के माध्यम से अवश्य प्राप्त कर लें।

महिला ने की राजा भोज एयरपोर्ट पर डेढ़ करोड़ रुपए की ज्वैलरी गायब होने की बात

भोपाल। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर पर एक महिला की डेढ़ करोड़ रुपए की ज्वैलरी गायब होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शनिवार को अमेरिका से भोपाल पहुंची एक महिला यात्री ने हीरे की चेन, अंगूठी और अन्य कीमती जेवरात गायब होने की शिकायत की है। महिला का कहना है कि ज्वैलरी उनके चेक-इन बैग में रखी गई थी, जिसकी कुल कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। इस मामले की शिकायत भोपाल एयरपोर्ट अथॉरिटी के अलावा इंडिगो को मेल के द्वारा की गई है। वहीं एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है की शिकायत की गंभीरता को देखते हुए सीआईएसएफ की टीम से एयरपोर्ट के सभी संबंधित सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई गई। लेकिन जांच में किसी भी स्तर पर ज्वैलरी गायब होने की घटना सामने नहीं आई है। उनके अनुसार, बैगेज स्कैनिंग के दौरान भी बैग में ज्वैलरी का कोई पैकेट या संदिग्ध सामग्री दिखाई नहीं दी। एयरपोर्ट प्रशासन ने इस पूरे मामले की जानकारी संबंधित एयरलाइन इंडिगो को भी दे दी है। फिलहाल इंडिगो और शिकायतकर्ता शालिनी बाफना के बीच संपर्क बना हुआ है। शिकायतकर्ता महिला शालिनी को अवगत करा दिया गया है, कि फुटेज और स्कैनिंग रिपोर्ट में ज्वैलरी के गायब होने के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। बताया गया कि शालिनी बाफना अमेरिका से भोपाल पहुंची थीं, और यहां से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में सवार होने वाली थीं।

कीमती बैटरी के लिये ई-रिक्शा ही चोरी कर लिया, रिक्शा बरामद

भोपाल। पुराने शहर की शॉहजहॉबाद थाना पुलिस ने एक ऐसे ई-रिक्शा चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो ई-रिक्शा वाहनो की कीमती बैटरी के लिए वाहन ही चोरी कर लेता था। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 1 लाख कीमत का ई रिक्शा बरामद किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी गुफरान पिता इरफान खॉन (45) ने शिकायत करते हुए बताया की वह मदर इंडिया कालोनी, शाहजहांनाबाद में रहता है, और ई-रिक्शा चलाने के साथ ही किराये पर चलवाता भी है। बीती 23 जनवरी 26 की रात करीब 3 बजे को उसने अपना ई-रिक्शा घर के बाहर चार्ज पर लगा कर खडा किया था। अगली सुबह करीब 7 बजे गाड़ी लेने आये उसके ड्राईवर दीपक ने उसे जगाया तब उसने देखा तो उसका ई-रिक्शा चोरी हो चुका था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी तलाश शुरु की।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर सहित मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने फहराया राष्ट्र ध्वज

सभी जिला मुख्यालयों पर हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजधानी सहित जिला मुख्यालयों पर समारोहपूर्वक राष्ट्रध्वज फहराया गया और भव्य परेड के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। साथ विभिन्न विभागों की उपलब्धियों पर झांकियां भी निकाली गई। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में राष्ट्र ध्वज फहराया। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर जिले में और जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण एवं कलेक्टर ने ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इंदौर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रीवा, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने खण्डवा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने छिन्दवाड़ा, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने सिवनी, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रतापसिंह ने नरसिंहपुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री मती सम्पतिया उईके ने जबलपुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बुरहानपुर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने मुरैना, महिला बाल विकास मंत्री सु निर्मला भूरिया ने नीमच, खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने खरगौन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने शाजापुर, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने आगर-मालवा, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने अशोकनगर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने रतलाम, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने पन्ना में ध्वज फहराया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को समर्पित मध्यप्रदेश की झाँकी ने कर्तव्य पथ पर बढ़ाई शोभा

नई दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड 2026 में मध्यप्रदेश की झाँकी 'पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर' ने कर्तव्य पथ पर अपनी भव्य और भावपूर्ण प्रस्तुति से देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। यह झाँकी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को समर्पित रही, जिसमें उनके गौरवशाली व्यक्तित्व, सुशासन, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण की विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया गया। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने परेड की सलामी ली। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रीमंडल के सदस्य और अन्य विशिष्ट अतिथि परेड के साक्षी बने। झाँकी के अग्र भाग में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की चिर-परिचित प्रतिमा को दर्शाया गया, जिसमें वे हाथ में शिवलिंग धारण किए पद्मासन में विराजमान हैं।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

देशभर में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल के कोलार रोड स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी परिसर में भी गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया गया। देशभक्ति के रंग में रंगे इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ध्वजारोहण से हुई। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पूजाश्री चौकसे ने तिरंगा फहराया। जैसे ही ध्वज लहराया, पूरे परिसर में राष्ट्रगान की गूंज सुनाई दी और सभी ने एक स्वर में देश के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की। इस अवसर पर वातावरण पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर नजर आया।

ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से आजादी के संघर्ष और संविधान के महत्व को दर्शाया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र और नागरिक कर्तव्यों पर भी अपने विचार साझा किए।

ौकसे ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान में दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है।

UFB के आह्वान पर देशव्यापी बैंक हड़ताल, भोपाल के एमपी नगर प्रेस कॉम्प्लेक्स में गूंजा एकजुटता का स्वर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (स्नक्क) के आह्वान पर देशभर में अलग-अलग स्थानों पर बैंककर्मियों की हड़ताल व्यापक रूप से एवं प्रभावी ढंग से सम्पन्न हुई। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु सहित प्रमुख महानगरों से लेकर राज्य एवं जिला मुख्यालयों तक बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हड़ताल का प्रमुख केंद्र एमपी नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स, पीएनबी के पास रहा, जहाँ बड़ी संख्या में बैंक के 5000 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। '5-दिवसीय बैंकिंग लागू करो ', 'बैंककर्मियों के स्वास्थ्य और सम्मान से समझौता नहीं' जैसे गगनभेदी नारों के साथ आंदोलनकारियों ने सरकार एवं बैंक प्रबंधन को स्पष्ट संदेश दिया कि अब टालमटोल की नीति स्वीकार्य नहीं है।

हड़ताल का नेतृत्व स्नक्क के संयोजक श्री संजीव कुमार मिश्रा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सुबीन सिन्हा एवं सेक्रेटरी दिनेश झा तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ भोपाल सर्कल के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर घटक दलों के वरिष्ठ कामरेड वीरू शर्मा, दीपकरत्न शर्मा, संजय कुदेशिया, नज़ीर कुरेशी, शोभित वादेल , प्रवीण मेघानी, वी.एस. नेगी एवं सुनील सिंह की सक्रिय भूमिका रही। इसके अतिरिक्त रजनीश पौराणिक, सुरेश बाबू मीणा, अरविंद पंडियार, क्षितिज तिवारी, निर्भय सिंह, अंबरिश नंदा, दीपक शुक्ला, सुमित कुमार, कपिला मेघानी, दीपमाला शीतल, शिवा मोहन मिश्रा एवं रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला साथियों ने बढ़-चढ़कर हड़ताल में भाग लिया।

अवैध कॉलोनाइजेशन में 10 साल की जेल और एक करोड़ जुर्माना

भोपाल। नगर निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां नेताओं और अफसरों की मेहरबानी से कट गई। पूरे प्रदेश में इनकी संख्या 5 हजार से ज्यादा है। इन कॉलोनियों को वैध करने के प्रयास भी असफल रहे हैं। दूसरी तर शासन अवैध कॉलोनियों के मामले में अब और सख्ती करने जा रहा है, जिसमें कलेक्टर सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी, तो अवैध कॉलोनी काटने वाले कालोनाइजर 10 साल तक की सजा और एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है। वहीं निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र के साथ पूरे प्रदेश में एक ही लाइसेंस से कॉलोनाइजेशन किया जा सकेगा। हर विधानसभा-लोकसभा या निगम चुनाव से पहले अवैध कॉलोनियों को वैध करने का हल्ला मचाया जाता है, मगर इसके प्रावधान इतने कड़े हैं कि गिनती की कॉलोनियां ही वैध हो पाती है। निगम के कॉलोनी सेल में अवैध कॉलोनियों की सूची है, मगर इनमें से सिर्फ वैध की जा सकने वाली कॉलोनियां ही नियमितिकरण के दायरे में आ सकी है। यही स्थिति पूरे प्रदेश की है और पंचायत क्षेत्र में प्रशासन का कॉलोनी सेल अनुमति देता है।

एसजीएसयू में एमपी स्किल कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन

प्रतिभागियों ने वेबपेज, ऐप डिजाइन जैसी टेक्निकल स्किल्स में दिखाया टैलेंट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (स्त्रस), भोपाल में युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमपी स्किल कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता भारत सरकार की इंडिया स्किल्स एंड वर्ल्ड स्किल्स इंडिया पहल के तहत आयोजित हुई जिसके अंतर्गत प्रदेशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में 10वीं-12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई एवं कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान, प्रायोगिक कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता का आकलन किया गया।

राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में कुल 9 प्रमुख स्किल्स में प्रतिस्पर्धा कराई गई, जिनमें वेब टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशंस डेवलपमेंट, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, 3डी डिजिटल गेम आर्ट, डिजिटल इंटरएक्टिव मीडिया, ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी, रिटेल सेल्स एवं विजुअल मर्चेंडाइजिंग शामिल रहीं। सभी प्रतियोगिताएं एप्टीट्यूड, प्रैक्टिकल एवं स्किल-आधारित रहीं, जिनमें प्रतिभागियों द्वारा आधुनिक एआई टूल्स एवं विभिन्न सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया गया।

एमपी स्किल कॉम्पिटिशन में प्रतिभागियों ने टेक्निकल स्किल्स में शानदार टैलेंट का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा ।।झरूआधारित 'बेटर लाइफ-हेल्दी लाइफ' थीम पर वेबपेज डिजाइन, फिटनेस ऐप का विकास, ऐप डिजाइन, ग्राफिक्स के अंतर्गत शू कंपनी के लोगो एवं क्रिएटिव्स, तथा शॉर्ट मॉडल एवं टेक्सचर डेवलपमेंट किए गए। इन सभी प्रोजेक्ट्स को तैयार करने में ब्लेंडर, माया, फोटोशॉप और कैनवा जैसे आधुनिक टूल्स का प्रभावी उपयोग किया गया। वहीं एनीमेशन स्किल के अंतर्गत लघु एनिमेटेड फिल्में बनाई गईं तथा विजुअल मर्चेंडाइजिंग स्किल के अंतर्गत फिजिकल मॉडल विकसित किए गए। इस अवसर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को रोज़गारोन्मुखी एवं भविष्य-उन्मुख कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विश्वविद्यालय कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ विजय सिंह और कुलसचिव डॉ सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का सशक्त मंच मिला है,राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य परिवेश से जोड़ने का अवसर देती हैं।

माता मंदिर से पत्रकार कॉलोनी में शिफ्ट हुई पंजाब नेशनल बैंक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

माता मंदिर के पास वर्षों से संचालित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा आज लिंक रोड क्रमांक-3 में शिफ्ट होकर अपने नवीन पता 11 पत्रकार कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)-462003 के नाम से जाना जाऐगा। शाखा प्रबंधक मनीष भार्गव के मुताबिक बैंक में आज से विधिवत् रोजमर्रा की तरह कार्य प्रारंभ हुआ। पूर्व की भॉति यहॉ पर खाताधारकों को सभी सुविधाऐं उपलब्ध हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक माता मंदिर के पास पार्किंग सुविधा का अभाव एवं दूसरी मंजिल होने, खाताधारकों एवं परिसर में जगह की कमी होने के कारण समस्याएं उत्पन्न होती थी, परन्तु पत्रकार कॉलोनी में बैंक शाखा को जहां पर्याप्त जगह मिली है तो वहीं खाताधारकों के लिये पार्किंग इत्यादि की भी समस्या नहीं रहेगी।

अनमोल वचन

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है। - डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है। - सरदार पटेल

सम्पादकीय

जजों द्वारा सरकार के खिलाफ फैसले, सजा और ट्रांसफर तय?

भारत में न्याय पालिका को संविधान ने सर्वोच्च स्थान पर रखा है। विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों की समीक्षा तथा अंतिम फैसला करने का अधिकार संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। अब ऐसा ऐसा लगने लगा है, न्यायपालिका सरकार के अधीन है। सरकार के दबाव में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज फैसला करने के लिए बाध्य हैं। यदि जज सरकार की अनुकूलता के अनुसार फैसला नहीं देते हैं, तो पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से जजों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिस तरह से उनकी वरिष्ठता क्रम को नजर अंदाज करते हुए, उनकी नियुक्तियां की जा रही हैं। उसको लेकर अब विरोध खुलकर सामने आने लगा है। न्यायपालिका की कॉलेजियम व्यवस्था, हाईकोर्ट ?र सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर सवालिया निशान लगना शुरू हो गए हैं। यह स्थिति भारतीय संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका के अस्तित्व पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा करने लगी है। कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार का विधि मंत्रालय ट्रांसफर आदेश जारी करता है। कॉलेजियम की अनुशंसा में यह उल्लेख होने लगा है, यह अनुशंसा सरकार के अनुरोध पर की गई है। जो अपने आप कॉलेजियम की अधिकारिता को दर्शा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुइयाँ ने सार्वजनिक रूप से न्यायपालिका के ऊपर कार्यपालिका के प्रभाव को स्वीकार किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में जिस तरह का हस्तक्षेप सरकार द्वारा किया जा रहा है, उदाहरण स्वरुप हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक जज की नियुक्ति हुई है। उस नियुक्ति में 56 जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज किया गया। इसके बाद न्यायपालिका में खदर-बदर मची हुई है। सुप्रीम कोर्ट में जूनियर जजों को महत्वपूर्ण मामले दिए जा रहे हैं। सीनियर जजों को कम महत्व के मामले दिए जाते हैं। न्यायपालिका में जिस तरीके से न्याय हो रहा है, उस पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। हाल ही में कई जजों के ऐसे ट्रांसफर किए गए हैं, जो उनके फैसलों के कारण हुए हैं। दिल्ली दंगे के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने हेट स्पीच को लेकर एक फैसला दिया था। फैसला देने के तुरंत बाद रातों-रात उस जज का ट्रांसफर कर दिया गया। हाल ही में न्यायमूर्ति श्रीधरन का ट्रांसफर सरकार के अनुरोध पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह द्वारा एक महिला सेवा अधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को संज्ञान मे लिया था। हेट स्पीच को लेकर दमोह के एक मामले में कार्यवाही की थी। नर्सिंग कॉलेजों में जो घोटाला हो रहा था, इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसी तरह पैरामेडिकल कॉलेज जो बिना किसी मान्यता के चल रहे थे, उन पर रोक लगाई थी। सरकार उनके फैसलों से नाराज थी। कॉलेजियम ने उनका ट्रांसफर छत्तीसगढ़ करने की अनुशंसा की थी। बाद में सरकार के हस्तक्षेप से उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया। जहां पर उनकी वरिष्ठता खत्म हो गई। अब वह चीफ जस्टिस नही बन पाएंगे। ना सुप्रीम कोर्ट जा पाएंगे। जबकि छत्तीसगढ़ की वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकते थे। इस तरह के एक नही बहुत सारे मामले, पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिले हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जिन जजों ने सरकार के पक्ष में फैसला नहीं दिया, उन जजों को प्रताड़ित करने का काम कॉलेजियम के माध्यम से सरकार द्वारा किया गया है। जिसके कारण न्यायपालिका की साख आम आदमी की नजरों में कम होती चली जा रही है। इस बात का उल्लेख कोई और नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज भुइयां ने सार्वजनिक कार्यक्रम में किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में कार्यपालिका द्वारा जिस तरह का दबाव कॉलेजियम और जजों के ऊपर बनाया जा रहा है। उनका कहना था, न्यायिक तबादले केवल न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए होने चाहिए। अब ट्रांसफर, पोस्टिंग कार्य पालिका के दबाव में सजा के रूप में की जा रही है। इस दखल को उन्होंने गंभीर चिंता का विषय बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है, एक बार न्यायपालिका की विश्वसनीयता खत्म हो गई, तो संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखना किसी के वश में नहीं होगा। सारे देश के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जिस तरह से सरकार के दबाव में काम करते हुए नजर आ रहे हैं, उसके बाद न्याय पालिका के ऊपर लोगों का विश्वास खत्म होता जा रहा है। खुलकर न्यायपालिका की आलोचना होने लगी है। अब न्यायालय में जाने के स्थान पर आम लोग राजनेताओं और गुंडे बदमाशों का सहारा लेने लगे हैं। आम आदमी सार्वजनिक स्थलों पर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं। अभी यह प्रारंभिक स्तर पर है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु:ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है।

सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे इसे तरह बाणों की शैय्या पर सोना पड़ रहा है। इसके उत्तर में श्री कृष्ण ने कहा था कि, आपने कई जन्म पहले एक सर्प को नागफनी के कांटों पर फेंक दिया था। इसी अपराध के कारण आपको बाणों की शैय्या मिली है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने किसी भी जीव को नहीं सताना चाहिए। हम जैसा कर्म करते हैं उसका फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

> 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया।

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं है: क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा? आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं। सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है। विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए।

सनातन, संत, सत्ता और संग्राम

तनवीर जाफरी

> यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में आसुरी शक्ति प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी।

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया ? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज़ की तरफ़ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह ज़रूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया,उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु,संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाज़ा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया?

इस घटना के फ़ौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं ? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं ? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है ? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं ? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ़ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नज़र आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नज़र आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफ़ी फ़ज़ीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में आसुरी शक्ति प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराज़गी जताई थी । शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को ख़ुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी।

लाला लाजपत राय: जिनकी लाठी ने आज़ादी की नींव और मजबूत की

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में 'पंजाब केसरी' (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना(ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निस्संदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोज़पुर ज़िले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण उर्दू-फ़ारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और लाहौर में आर्य समाज से जुड़ गए। लाला जी का मानना था कि हिंदू धर्म का नैतिक आदर्शवाद जब राष्ट्रवाद के साथ जुड़ता है, तो वह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य (सेकुलर स्टेट) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। वे दृढ़ता से विश्वास करते थे कि बिना शिक्षा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। इसी सोच के परिणामस्वरूप उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करने हेतु 'सर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटी' की स्थापना की तथा लाहौर में 'नेशनल कॉलेज' की शुरुआत की, जहाँ आगे चलकर भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों ने शिक्षा प्राप्त की।वे सामाजिक सुधारों के प्रबल समर्थक थे। 1890 के दशक के अंत में जब भारत के कई भागों में भीषण अकाल पड़ा, तब लाला जी ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और अनाथ बच्चों के लिए अनेक राहत शिविर एवं अनाथालय स्थापित कराए। वे विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षा और छुआछूत उन्मूलन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहे।राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर उन्होंने उग्र राष्ट्रवादी नेताओं की प्रसिद्ध त्रयी 'लाल-बाल-पाल' का गठन किया। वे इस त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे। वे हिंदू महासभा से भी जुड़े रहे और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मुखर रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में उन्होंने पंजाब के अनेक राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी गतिविधियों के कारण बर्मा निर्वासित कर दिया, किंतु पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण कुछ महीनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कम लोगों को ज्ञात है कि 1914 से 1919 के बीच लाला लाजपत राय अमेरिका में रहे। वहाँ उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से अमेरिकी जनता को अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने 1917 में 'होम रूल लीग ऑफ अमेरिका' की स्थापना कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की स्वतंत्रता के लिए नैतिक समर्थन माँगा।उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया, रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की तीखी निंदा की।

सुनील कुमार महला

खास बात

बिहार प्रभारी को लेने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भर पहुंचे

राहुल गांधी द्वारा नियुक्त किए गए बिहार के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु पटना पहुंचे। वहां पर उन्हें लेने के लिए हवाई अड्डे पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम अकेले पहुंचे।कांग्रेस टिकट से लोकसभा चुनाव लड़ चुके एक नेता ने इसकी फोटो सोशल मीडिया में डाली है। बिहार में कांग्रेस की क्या स्थिति है, इसको लेकर राजीव गांधी को फोटो भेजी है। चुनाव के पहले अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश राम को अध्यक्ष बनाया गया था। उसके बाद बिहार में कांग्रेस पार्टी की यह हालत है? बिहार में कांग्रेस संगठन की क्या हालत है, आसानी से समझा जा सकता है।

एसआईआर ने बिगाड़ दिया बंगाल चुनाव का खेल?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को टाला जा सकता है। इस बात की आशंका दिखने लगी है।राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के बाद ही चुनाव होंगे।एसआईआर को लेकर जो गड़बड़ी हुई है। उससे मतदाता सूची के काम में विलंब हो रहा है। इसको आधार बनाकर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ही पश्चिम बंगाल में चुनाव होंगे? इस तरह की आशंका व्यक्त की जा रही है। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ी चुनौती सामने आने जा रही है।

दावोस मे देसी कंपनियों से करार?

स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में दुनिया भर से लोग पहुंच रहे हैं। यहां पर ग्रीनलैंड के मामले में यूरोपीय देशों के साथ संबंधों को परिभाषित किया जाना था। भारत से सैकड़ो राजनेता उद्योगपति दावोस आर्थिक मंच को लेकर वहां पहुंचे। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है।दावोस मे राज्य सरकारों ने भारतीय उद्योगपतियों से बड़े करार किए हैं। विदेश का कोई भी अनुबंध भारत में नहीं हुआ। इसको लेकर महाराष्ट्र झारखंड इत्यादि राज्यों में बड़ा बवाल हो रहा है। भारतीय निवेशकों को विदेश ले जाकर करार करना, सरकार का करोड़ों रुपए खर्च करना, चर्चा का विषय बन गया है। राजनेता और अधिकारी निवेश के नाम पर विदेश में तफरीह करने गए थे।इस तरह के आप अब विपक्ष लगा रहा है।

ट्रंप के आगे यूरोपीय देशों का सरेंडर?

डेनमार्क के संसाधन एवं सुरक्षा का भार अब अमेरिका का होगा। दावोस में डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक मुद्रा को देखने के बाद ग्रीनलैंड मामले में यूरोपीय देशों ने समझौते का रास्ता अपनाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते के बाद टेरिफ़ वापस लेने की घोषणा कर दी है। डोनाल्ड ट्रंप का यह खास अंदाज है। पहले वह डराते-धमकाते हैं। बाद में समझौता करके कुछ ना कुछ हासिल कर लेते हैं। ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों और निवेशकों के लिए मुनाफे के नए अवसर खोज लिए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी दसवी, बुधवासरे, रोहितणी/कृतिका नक्षत्रे, वृण योगे, गर करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 44/55 सर्वार्थ सिद्धयोग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक, जिद्दी, हठी, योगी, भोगी, सैनिक, सिपाही, कर्नल, बिग्रेडियर, इंजी., प्रोफसेर, उत्तमवृत्ति वाला, शासक, प्रशासक, डॉक्टर, मिलेट्री तथा योगी होगा।

मेष राशि :- मन में अशांति, किसी परेशान से बचिए, कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिएगा नहीं तो अपने किए पर पछताना पड़ेगा, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता से संतोष, धन लाभ बिगड़े हुए कार्य अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद हो तथा शुभ कार्यों के योग अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहे, स्थिति पूर्ण नियंत्रण पर बनी रहेगी, ध्यान दें।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष हो।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से समर्थन फलप्रद रहे तथा कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्यकुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि :- स्त्री शरीर चिन्ता, विवाद ग्रस्त होने से बचिए, कार्य बनने के योग बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, दैनिक कार्य गति में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में उत्तेजना, धन का व्यय एवं शांति निष्फल होगी।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटाए, इष्ट मित्र सुख वर्धक हो। -पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.40 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	09.13 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.44 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.22 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.35 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.14 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.29 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	03.45 बजे से
बजे तक		मकर	05.50 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 28 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 16.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 09.27 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 23.54 बजे को समाप्त।
करण गर 16.37 बजे तदनन्तर वणिज 03.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872603
जूलियन दिन 2461068.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 08
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुंदरता के लिए अपनायें ये तरीके

आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें

सुंदरता के लिए अपनायें ये तरीके। इस प्रकार आप अपनी सुंदरता को बढ़ा सकती हैं। आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें। आंखों पर गहरे रंग के आई पेंसिल का प्रयोग करें1 आप इलेक्ट्रिक ब्लर आईलाइनर के इस्तेमाल करने से भी अच्छा लुक पा सकती हैं1

रात के समय ब्लशर रंगों का होठों के रंगों से मेल जरूरी नहीं है, लेकिन टोन का रंग सामान्यता एक जैसा होना चाहिए। यदि आपने नांरगी लिपस्टिक लगाई है तो गुलाबी ब्लश से दूर रहिए। आप लिपस्टिक में लाल गहरे लाल रंग की शेड की लिपस्टिक का प्रयोग कर सकती हैं। गहरा गुलाबी रंग भी काफी आकर्षक लगेगा। ज्यादातर त्वचा के रंगों में नारंगी शेड भी काफी सराही जाती है।

उमस भरे मौसम में 3डी लुक पाने के लिए फेस पर ब्रांजिंग और हाइलाइटिंग बहुत जरूरी है। इसके साथ ही फेस पर बेस ब्लेंडेड करना भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टोनिंग भी बेहद अनिवार्य है1 इसके लिए आप किसी मलमल के कपड़े में बर्फ डालकर अपने चेहरे पर हल्के-हल्के से मल सकती हैं। इससे पोर्स तो बंद हो ही जाएंगे और मेकअप भी देर तक टिका रहेगा।

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप मॉइश्चराइजिंग लोशन से कुछ मिनट तक हल्के-हल्के मसाज कर सकती हैं।

अपनी त्वचा से अनचाहे दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर का यूज कर सकती हैं। कंसीलर को अपनी उंगली में लेकर प्रभावित स्थान पर हल्के से थपथपा कर लगाएं, जिससे कंसीलर आपकी स्किन में अच्छे से समा जाए.

अगर आपकी ड्रेस ज्यादा भारी नहीं है तो बहुत डार्क मेकअप ना करें, बल्कि लिपस्टिक और आई शेड्स में हल्के रंगों के उपयोग करें। आंखों पर मस्कारा लगाएं। आप लिक्विड काजल की जगह पेंसिल वाला काजल भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आपकी ड्रेस हैवी है तो लिक्विड काजल का इस्तेमाल करें और मस्कारा लगाएं। साथ ही लिपस्टिक और आई शेड्स डार्क गहरे रंग के इस्तेमाल करें। चाहें तो होठों के लिए लिक्विड लिप ग्लॉस का उपयोग भी कर सकती हैं।

ड्रेस के बाद बारी आती है हेयर स्टाइल की। आप चाहे कितना भी अच्छा मेकअप कर लें या ज्वेलरी पहने जब तक आपका हेयर स्टाइल सही नहीं है आपका लुक परफेक्ट नहीं लग सकता। इसलिए अपने बालों को अच्छा सा हेयर स्टाइल दें।

अगर आपके बाल छोटे हैं तो उन्हें खुला ही छोड़ दें। खुले बालों में भी काफी स्टाइल दिए जा सकते हैं। जैसे कि आप अपने बालों को सामने की ओर से पफ दे सकती हैं या क्लिप्स की मदद से सामने के बाल थोड़े-थोड़े लेकर पीछे की ओर घुमाकर पिनअप कर सकती हैं।

फटी एड़ियों ऐसे होंगी ठीक

पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है

पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है। इससे पैरों की खूबसूरती कम हो जाती है पर फटी एडियों को ठीक करने के लिए कहीं बाहर जाने की बजाय कुछ घरेलू उपायों को करना ठीक रहता है।

नींबू रहेगा फायदेमंद

नींबू का इस्तेमाल करके फटी एड़ियों को सही किया जा सकता है। इसके लिए नींबू के रस को गर्म पानी में मिलाएं और 10 से 15 मिनट तक पैरों को पानी में डुबोए रखें. इसके बाद एड़ी को प्यूमिक स्टोन से साफ करें और फिर पैरों को धो कर तौलिये से पोछ लें।

गुलाब जल और ग्लीसरीन

ग्लीसरीन और रोजवॉटर (गुलाब जल) फटी एड़ियों को सही करने और एड़ियों को मुलायम करने में मदद करता है। सबसे पहले ग्लीसरीन और रोजवॉटर को बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट तैयार कर लें। रात को सोने से पहले इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें।

वनस्पति तेल

वनस्पति तेल भी फटी एड़ियों के लिए काफी सही रहता है। वनस्पति तेल में जैतून, नारियल, तिल या किसी भी तरह का वनस्पति तेल लेकर रात को सोने से पहले एडियों में मसाज करने से फायदा मिलेगा। इसके लिए सबसे पहले पैरों को गर्म पानी में भिगोकर रखें और बाद में स्क्रब कर के सुखा लें। इसके बाद वनस्पति तेल को एड़ी और तलवों पर लगाकर मोजे पहनकर सो जाएं।

नीम

नीम भी फटी एड़ियों को सही करने में कारगर साबित हो सकता है. इसके लिए सबसे पहले नीम की पतियों को हल्दी के साथ मिक्स कर के पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें। इस पेस्ट को 1 घंटे लगाकर रखें और फिर पानी से साफ कर लें।

लंबाई के अनुसार कपड़ों का चयन करें

अगर आपकी लंबाई कम है तो आप को इस प्रकार के कपड़ों का चयन करना चाहिये। कपड़े ऐसे हों जिनमें वर्टीकल पट्टियां हों। इसका कारण यह है कि हॉरीजौन्टल पट्टियों में आपकी लंबाई कम लगेगी। आप मोटी या पतली वर्टीकल पट्टियों को पहन सकती हैं। केवल फैशन के पीछे न भागे। स्कर्ट, क्रॉप पैंट जैसी चीजों से आपको बचना चाहिए क्योंकि आप ऐसी चीजें पहनकर और छोटी लगेंगी।

एंकिल तक की पट्टियों को कहें बाय बाय- एंकिल तक की पट्टियों वाले कपड़ों और जूतों को आप अपने से दूर रखें क्योंकि इससे आप और छोटी लगेंगी। अगर आपको एंकिल तक की पट्टियों वाले फुटवियर पसंद हैं तो उसमें हील जरुर हों।

अगर आप बड़े आकार के बैग का इस्तेमाल करती हैं तो उसे बदल दें। ज्यादा बड़े आकार के बैग को कैरी करने से आपकी हाइट और कम लगती हैं। इसलिए आप ऐसा बैग लें जिस में आप अच्छी लगें।

शर्ट ड्रेस से दूर रहें-

जिनके पैरों की लंबाई ज्यादा होती हैं उन पर शर्ट वाली ड्रेस अच्छी लगती हैं। शर्ट वाली ड्रेस का कोई अपना आकार नहीं होता हैं इसलिए ये आपको चकोर लुक देता हैं जो आप पर थोड़ा अजीब लग सकता हैं।

गहरी कट के कपड़े पहनें-

वी आकार की नेकलाइंस वाले कपड़े आप पर अच्छे भी लगेंगे और उसमें लंबी भी लगेंगी। अगर आपकी हाइट कम हैं तो ये

अगर आपको मैक्सी ड्रेस पसंद हैं तो आप उसे पहन सकती हैं। लेकिन फिटिंग को ध्यान में रखते हुए वो नीचे की तरफ से थोड़ा कसा हुआ हो। इसमें आप स्मार्ट और स्टाइलिश लगेंगी।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर इफैक्ट डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

साई खेल विज्ञान प्रभाग ने शूटिंग-तीरंदाजी के कोचों के लिए शुरू की विशेष कार्यशाला

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के खेल विज्ञान प्रभाग ने शूटिंग और तीरंदाजी से जुड़े साई कोचों के लिए चार दिवसीय विशेष खेल विज्ञान कार्यशाला सोमवार से इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित साई खेल विज्ञान प्रभाग में शुरू की। इस अवसर पर खेल सचिव एवं महानिदेशक, साई, हरि रंजन राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उद्घाटन संबोधन में दैनिक प्रशिक्षण वातावरण में खेल विज्ञान के गहरे एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। राव ने कहा, 'मंत्रालय और सरकार खेल विज्ञान पहलों को हर संभव समर्थन देंगे, लेकिन यह आवश्यक है कि हम सोच-समझकर निवेश करें और परिणाम देने के लिए खेल विज्ञान का सटीक उपयोग करें। खासकर उन खेलों में जहां मामूली सुधार भी पदक और भागीदारी के बीच अंतर पैदा कर सकता है, वहां खेल विज्ञान की भूमिका बेहद अहम है।' यह कार्यशाला दिसंबर में शुरू हुई कोच सेंसिटाइजेशन कार्यशालाओं की श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले हॉकी, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो और एथलेटिक्स जैसे खेलों में भी इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं, और अब इसमें शूटिंग व तीरंदाजी को शामिल किया गया है। राव ने आगे कहा, 'खेल विज्ञान कुशल प्रशिक्षण, चोटों की रोकथाम और खिलाड़ियों के लंबे करियर को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे खिलाड़ियों और उनके परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम होता है।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में हरियाणा थंडर्स शीर्ष पर

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 में हरियाणा थंडर्स की शानदार सफलता के पीछे कप्तान युई सुसाकी की दमदार अगुवाई सबसे बड़ी वजह बनकर उभरी है। जापान की स्टार पहलवान ने न सिर्फ मैट पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, बल्कि एक प्रेरक कप्तान के रूप में टीम को एकजुट रखते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान तक पहुंचाया है। तेज रफ्तार और लगातार मुकाबलों वाली इस लीग में सुसाकी ने नियमित प्रतिस्पर्धा की चुनौती को पूरी तरह अपनाया है। उनका मानना है कि लगातार मैच खेलने से लय बनी रहती है और इसका असर उनके प्रदर्शन में साफ दिखा है। सुसाकी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग मेरे लिए एक अच्छा अनुभव है क्योंकि इस लीग में मुझे कई बार मुकाबला लड़ने का मौका मिलता है।' मैट पर उनका अंदाज सटीक और प्रभावशाली रहा है। सीजन के एक मुकाबले में उन्होंने एक मिनट से भी कम समय में जीत दर्ज कर अपनी ताकत और तकनीक का परिचय दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026

स्वितोलिना ने गॉफ को पराजित किया सेमीफाइनल में सबालेंका से भिड़ंत

मेलबर्न ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना क्वार्टरफाइनल में ही टूट गया। यूक्रेन की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में गॉफ को महज 59 मिनट में 6-1, 6-2 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ स्वितोलिना पहली बार मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं।

इससे पहले वह तीन बार क्वार्टरफाइनल तक ही सीमित रह चुकी थीं। 31 वर्षीय स्वितोलिना के लिए यह जीत उनके पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी जिंदा रखे हुए है। मैच की शुरुआत से ही कोको गॉफ की सर्विस में कमजोरी साफ नजर आई। उन्होंने मुकाबले में पांच डबल फॉल्ट किए और चार बार अपनी सर्विस गंवाई, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने आक्रामक खेल दिखाया और बेहद जल्दी पहला सेट अपने नाम कर लिया।

सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही स्वितोलिना की टॉप-10 में वापसी भी तय मानी जा रही है। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, 'अब तक टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मैटरनिटी लीव के बाद टॉप-10 में लौटना हमेशा मेरा सपना रहा है। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है और यही मुझे आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। ऑस्ट्रेलिया में इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन से मैं बेहद संतुष्ट हूं।'

तेज गर्मी के कारण आयोजकों द्वारा एक्सट्रीम हीट पॉलिसी लागू किए जाने के बाद रोड लेवर एरीना की छत बंद कर दी गई थी। ठंडे हालात में खेलने के लिए गॉफ ने अपनी लय वापस पाने की कोशिश में कई रैकेट दोबारा स्ट्रिंग करवाए, लेकिन उन्हें खास सफलता नहीं मिली। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने 3-0 की बढ़त बना ली। गॉफ ने कुछ होल्ड के जरिए वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन यूक्रेनी खिलाड़ी का दबदबा बना रहा और उन्होंने आसानी से मैच जीतकर सेमीफाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका के खिलाफ मुकाबला तय कर लिया। ऑकलैंड में इस महीने खिताब जीतने के बाद स्वितोलिना इस समय 10 मैचों की जीत की लय में हैं।

इससे पहले टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविच को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भीषण गर्मी से प्रभावित इस मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। यह मैच रोड लेवर एरिना में खेला गया, जहां शुरुआत में छत खुली रखी गई थी। मेलबर्न में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की चेतावनी के बीच यह फैसला लिया गया।

हालांकि, इसके बाद खेले गए पुरुष क्वार्टरफाइनल मुकाबले से पहले छत बंद कर दी गई। सबालेंका ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाते हुए मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि 29वीं वरीय जोविच ने हार नहीं मानी और नौवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। यह गेम करीब 10 मिनट तक चला, लेकिन सबालेंका ने संयम बनाए रखते हुए पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली और युवा अमेरिकी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। जोविच ने इस दौरान कुछ गैरजरूरी गलतियां भी कीं, जिसमें ब्रेक प्वाइंट पर किया गया डबल फॉल्ट अहम रहा।

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल स्पेन में होगा : राफेल लूजान

मैड्रिड ■ एजेंसी

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल मुकाबला स्पेन में खेला जाएगा। यह जानकारी रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के अध्यक्ष राफेल लूजान ने सोमवार को दी। हालांकि फीफा ने अभी तक आधिकारिक तौर पर फाइनल के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की है।

स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को संयुक्त रूप से 2030 विश्व कप की मेजबानी करेंगे, लेकिन फाइनल मैच को लेकर लंबे समय से अटकलें चल रही थीं। मीडिया से बातचीत के दौरान राफेल लूजान ने साफ शब्दों में कहा, 'स्पेन विश्व कप की अगुवाई करेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि फाइनल किस शहर या स्टेडियम में होगा। स्पेनिश मीडिया में लंबे समय से रियल मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम को फाइनल के संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में इस स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया है और यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार माना जाता है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि मोरक्को फाइनल की मेजबानी कर सकता है। मोरक्को की योजना निर्माणाधीन हसन द्वितीय स्टेडियम में फाइनल कराने की थी। यह स्टेडियम 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है और इसकी प्रस्तावित क्षमता 1,15,000 दर्शकों की होगी, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल स्टेडियम बना देगा। लेकिन इसी महीने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल के दौरान हुई अव्यवस्थाओं ने मोरक्को की छवि को नुकसान पहुंचाया, जिससे विश्व कप फाइनल की मेजबानी की उसकी संभावनाएं कमजोर पड़ गईं।

रोहित शर्मा ने भारत की व्हाइट-बॉल क्रांति की अगुवाई करके टीम को नई पहचान दी : राहुल द्रविड़

बेंगलुरु ■ एजेंसी

पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि रोहित शर्मा ने भारत की व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया का नेतृत्व करके टीम को एक नई सोच व आक्रामक पहचान दी।

द्रविड़ ने यह बातें लेखक आर. कौशिक की पुस्तक 'द राइज ऑफ द हिटमैन' के विमोचन समारोह के दौरान कहीं, जिसका आयोजन केएससीए में जैन स्पोर्ट्स ने किया। द्रविड़ ने आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप को लेकर भारत को प्रबल दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने टी-20 क्रिकेट में लगभग 80 प्रतिशत सफलता दर हासिल की है, जो इस फॉर्मेट में असाधारण है। भारत निश्चित रूप से पसंदीदा के तौर पर उतरेगा और सेमीफाइनल तक पहुंचेगा, लेकिन टी-20 में नतीजा उसी दिन बेहतर खेलने वाली टीम तय करती है।

रोहित शर्मा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए द्रविड़ ने कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत को अपनी रणनीति बदलने की जरूरत थी। रन रेट बढ़ रहे थे, जोखिम लेना जरूरी हो गया

था और हमें खुद को ढालना था। रोहित ने यह जिम्मेदारी खुद ली। उन्होंने उदाहरण पेश किया कि टीम का कप्तान खुद आगे बढ़कर टेम्पो सेट करे, भले ही इससे व्यक्तिगत आंकड़ों पर असर पड़े। उन्होंने आगे कहा कि रोहित की नेतृत्व क्षमता की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि कप्तान बनने के बाद भी टीम को कभी नहीं लगा कि वह बदले हैं। यह गुण बहुत कम नेताओं में देखने को मिलता है।

कार्यक्रम में कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) अध्यक्ष और द्रविड़ के पूर्व साथी वेंकटेश प्रसाद वर्चुअल रूप से जुड़े। उन्होंने रोहित शर्मा को पद्म श्री से सम्मानित किए जाने को पूरी तरह योग्य बताया। प्रसाद ने कहा कि रोहित ने सभी फॉर्मेट में लंबा और शानदार करियर बनाया है। वह दो टी20 विश्व कप जीतने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। अंडर-19 दिनों को याद करते हुए प्रसाद ने कहा कि मैंने रोहित को 16-17 साल की उम्र से देखा है। तब भी उनके पास असाधारण समय और क्लास थी। उनकी प्रतिभा की तुलना भारत के किसी भी महान बल्लेबाज से की जा सकती है। समारोह में रोहित शर्मा के योगदान, नेतृत्व और भारतीय क्रिकेट पर उनके प्रभाव को लेकर गहन चर्चा हुई, जिसने एक बार फिर 'हिटमैन' की विरासत को रेखांकित किया।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

अडाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र करेंगे स्थापित

नई दिल्ली। अडाणी समूह और ब्राजील की विमानन कंपनी एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण इकाई स्थापित करेंगे। रणनीतिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद इस साझेदारी का ऐलान मंगलवार को नई दिल्ली में किया गया। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों ने नागर विमानन मंत्रालय में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री के. राममोहन नायडू की मौजूदगी में एमओयू हुआ। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी। हालांकि, निवेश और प्रस्तावित सुविधा के स्थान से जुड़े विवरण साझा नहीं किए गए हैं। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा कि एम्ब्रेयर और अडाणी ऑनलाइन के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) भारत के क्षेत्रीय परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग की शुरुआत है। नायडू ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के उड़ान विजन से प्रेरित यह साझेदारी क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी के लिए एंड-टू-एंड स्वदेशी समाधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नए शिखर पर सोना और चांदी, 1.62 लाख तक पहुंची सोने की कीमत

मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी ने एक बार फिर नए शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। सोना आज 1,570 रु. प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,710 रु. प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी ने 25,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार छलांग लगाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी 113.46 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया है, जिसका प्रत्यक्ष असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत पर पड़ा है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रु. से लेकर 1,62,110 रु. प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,460 रु. से लेकर 1,48,610 रु. प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,60,100 रु. प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,610 रु. प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रु. प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रु. प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,010 रु. प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,510 रु. प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

भारत-ईयू एफटीए से भारत को 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय संघ बाजार पहुंच मिलेगी: गोयल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने आज नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा की।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।' गोयल ने कहा कि 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को इतिहास में उस घटना के तौर पर याद किया जाएगा, जहां दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने मिलकर वैश्विक व्यापार में नया अध्याय लिखा।

गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए, जो हमारे आर्थिक जुड़ाव में मील का पत्थर है। यह समझौता सभी सेक्टरों में अवसर खोलेगा, व्यवसायों और लोगों को फायदा पहुंचाएगा और दोनों तरफ विकास और समृद्धि में योगदान देगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 फीसदी से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, इससे हमारे श्रम प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी।' उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है।

गोयल ने कहा कि इससे भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े व्यापार और निवेश अवसर पैदा होंगे और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'संवेदनशील क्षेत्रों को बचाने के लिए सावधानी बरतने के साथ, उच्च मूल्य वाले यूरोपीय संघ के बाजार में बड़े पैमाने पर संभावनाएं खोलते हुए ग्रामीण आजीविका भी सुरक्षित की गई है।'

वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता ढांचे के साथ सेवा क्षेत्र में एक बड़ी जीत हासिल की गई है जो हमारे कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करने में मदद करेगी।'

गोयल ने कहा कि यह समझौता भविष्य का द्वार है क्योंकि इससे भारत उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा कर सकेगा, नवाचार को गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिभा व सतत आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

बजट की तैयारी अंतिम चरण में, सीतारमण ने पारंपरिक हलवा सेरेमनी में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यहां पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया। ये समारोह 1 फरवरी को लोकसभा में पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट की तैयारी के अंतिम चरण का प्रतीक है। वित्त मंत्री ने बजट प्रेस का दौरा भी किया और तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने पूरी बजट टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। हलवा सेरेमनी का ये समारोह रायसीना हिल्स स्थित नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित किया गया, जो वित्त मंत्रालय का पुराना पता है। वित्त मंत्री और उनकी टीम के अधिकतर सदस्य सितंबर, 2025 में प्रतिष्ठित और भव्य नॉर्थ ब्लॉक से कर्तव्य भवन स्थित आधुनिक केंद्रीय सचिवालय कार्यालय में स्थानांतरित हो गए थे। कर्तव्य भवन-1 स्थित नए परिसर में छापाखाना नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले सभी विभागों के सचिव और केंद्रीय बजट तैयारी में शामिल अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। पिछले पांच पूर्ण केंद्रीय बजट और एक अंतरिम बजट की तरह 2026-27 का पूर्ण केंद्रीय बजट भी कागज रहित यानी डिजिटल रूप में होगा। वार्षिक वित्तीय विवरण, अनुदान मांगें, वित्त विधेयक आदि सहित केंद्रीय बजट के सभी दस्तावेज 'केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप' पर उपलब्ध होंगे। हलवा सेरेमनी बजट की छपाई से पहले आयोजित होने वाला सालाना समारोह है, जिसमें पारंपरिक 'हलवा' तैयार किया जाता है। वित्त मंत्रालय के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है, जो बजट तैयार करने के काम में शामिल होते हैं।

विदेशी घुसपैठ राष्ट्र के लिए चुनौती है: त्रिपाठी

भोपाल। बौद्धिक संवाद समूह की मासिक व्याख्यानमाला के अंतर्गत पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी का व्याख्यान विषय पर भारतीय विद्या भवन सभागृह में आयोजित किया गया जिसमे उन्होंने कहा कि विदेशियों की घुसपैठ और उनके संरक्षण देश के लिए गंभीर समस्या है ओर अब देश के लिए चुनौती बन गई है इसमें राजनैतिक संरक्षण ने इसे ओर संकटग्रस्त बना दिया है पड़ोसी देशों की दयनीय अर्थव्यवस्था से घुसपैठ बढ़ती गई उन्होने आंकड़े देकर इसके गंभीर परिणामों पर चिंता प्रगट की उन्होंने यह भी कहा पश्चिम बंगाल ओर असम के कुछ जिलों में डेमोग्राफी बदल गई है जो धार्मिक चुनौती है ओर बढ़ता आतंकवाद चिंतनीय समस्या है एक लीगल फ्रेमवर्क की आवश्यकता है जिससे नागरिकता का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। त्रिपाठी जी ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए ओर इस समस्या के समाधान में सीमा पर घुसपैठ गंभीरता से रोकना सेना की संख्या बढ़ाना ही विकल्प है। कार्यक्रम का संचालन आर जी द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मानवाधिकार के कार्यवाहक अध्यक्ष एपी सिंग पूर्व संचालन विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ महेश शुक्ला पूर्व डीजीपी एस के राउत वरिष्ठ अधिवक्ता जी के छिब्बर ब्रिगेडियर संजय घोष डॉ आर एस पांडे सुनील जोशो सलिल चटर्जी कर्नल बी बी वत्स शैलेंद्र ओझा आदि उपस्थित थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 300 अंक उछलने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,950.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

'बीबीटी मीट' में जुटे 175 एलुमनी स्टूडेंट्स

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भोपाल के प्रतिष्ठित सेंट जोसेफ कॉन्वेंट गर्ल्स स्कूल की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एसेज़ एसोसिएशन ऑफ कॉन्वेंट एक्स-स्टूडेंट्स द्वारा 'बीबीटी - ब्रिंगिंग बैक टुगेदर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1963 बैच से लेकर 2011 बैच तक के 175 पूर्व छात्र एक साथ जुड़े, जिससे यह आयोजन भावनात्मक और यादगार बन गया।

कार्यक्रम का आयोजन भदभदा स्थित एक होटल में किया गया। इस मिलन में 1979 बैच के छात्रों ने कोरोना काल और अन्य कारणों से दिवंगत साथियों को म्यूजिकल ट्रिब्यूट देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं डांस, म्यूज़िक और गेम्स जैसी गतिविधियों के माध्यम से आयोजन में शामिल एलुमनी ने शाम को खास बना दिया।

एसेज़ एसोसिएशन की संस्थापक सदस्य रीता ललवानी ने बताया कि यह आयोजन लंबे अंतराल के बाद सभी पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ने की एक पहल है। उन्होंने कहा कि वर्षों से बिछड़े साथियों का एक मंच पर आना अपने-आप में भावनात्मक अनुभव रहा।

वहीं रेणु हांडा एवं उनकी टीम ने आयोजन की समन्वयात्मक व्यवस्था और सहभागिता के माध्यम से कार्यक्रम को सुचारु और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संचालन में रचना पारेख की सक्रिय भूमिका रही। रुबीना ताजवर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में और डेकोरेशन में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में यह भी साझा किया गया कि स्कूल की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह मिलन एक मजबूत आधारशिला है। आगे आने वाले समय में एसेज़ एसोसिएशन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और सहभागिता आधारित कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें देश-विदेश में रह रहे पूर्व छात्र सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

आयोजन में गेट-टुगेदर में भोपाल सहित देश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ दुबई और ऑस्ट्रेलिया से भी सहभागिता रही। फरजाना मिर्जा सबसे सीनियर जोसेफाइट 63 बैच की यूएसए से आईं।सभी ने इस मिलन को यादगार बताते हुए भविष्य में और अधिक व्यापक आयोजनों की उम्मीद जताई।

देश की सुरक्षा में सतर्कता एवं जनभागीदारी जरूरी : खान

भोपाल ■ प्रतिनिधि

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यानमाला में देश की सुरक्षा में जनभागीदारी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके सेवानिवृत खुफिया अधिकारी मुहम्मद जफर खान ने कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसी सतर्कता ओर गंभीरता को कार्य कर रही है भारत एक बड़ा देश है इसकी आंतरिक सुरक्षा के लिए जनता को भी सतर्क रहना है ओर राष्ट्र की सुरक्षा में जनभागीदारी भी करना है आज के तकनीकी युग में इंटरनेट मोबाइल का प्रयोग सतर्कता से करना चाहिए देश की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है जनता को जागरूक होना जरूरी है जहां भी कुछ शंका ही कुछ आउट पुट मिलता हो तुरंत सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसी को देना चाहिए जरा सी चूक में बहुत नुकसान हो जाता है उन्होंने अनेक घटनाओं का उल्लेख करते हुवे यह दर्शाया कि देश की सुरक्षा में इंटेलिजेंस ऑफिसर की भूमिका बहुत जोखिम भरी होती है यह संयम ओर साहस का कार्य है।

मोहम्मद जफर खान ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ईस्ट के सदस्य एवं पूर्व मंडलाध्यक्ष धीरन दत्ता को रोटरी इंटरनेशनल के सर्वोत्तम सेवा पुरस्कार मिलने पर उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन मानद सचिव ऋतु राज परमार ने किया ओर आभार प्रदर्शन पलाश सुरजन ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर ने आठ विदेशी मेडिकल कालेजों को मान्यता प्रदान की, इनमें भारत का मणिपाल भी

सिंगापुर। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर मेडिकल काउंसिल ने आज आठ विदेशी मेडिकल कालेजों को मान्यता प्रदान करने की घोषणा की। इनमें भारत के मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन से संबद्ध कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज मणिपाल भी है। मंत्रालय और काउंसिल की मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर मेडिकल काउंसिल ने कहा कि आगामी 01 फरवरी से देश से बाहर के आठ मेडिकल कालेजों (1) ऑस्ट्रेलिया एडिलेड यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ हेल्थ, (2)भारत के मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, (3) आयरलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, स्कूल ऑफ मेडिसिन, (4) मलेशिया यूनिवर्सिटी साइंस मलेशिया, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, (5) पाकिस्तान द आगा खान यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, (6) पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, (7) सिंघुआ यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन और (8) सिटी सेंट जॉर्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, स्कूल ऑफ को मान्यता प्रदान कर दी जाएगी।

आरबीआई नेपाली नागरिकों के लिए डिजिटल भुगतान सुविधा को जल्द शुरू करने पर सहमत

काठमांडू। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेपाली नागरिकों के लिए भारत में क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान को जल्द शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संबंध में नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर डॉ. विश्वनाथ पौडेल और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के बीच सोमवार को दिल्ली में हुई बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। नेपाल राष्ट्र बैंक के अनुसार, बैठक में अंतरदेशीय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान लेनदेन तथा दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े विषयों पर बातचीत हुई। दोनों गवर्नरों के बीच विशेष रूप से इस बात पर चर्चा केंद्रित रही कि भारत यात्रा के दौरान नेपाली नागरिक क्यूआर कोड के जरिए आसानी से भुगतान कर सकें। इसके अलावा मौद्रिक नीति, तरलता प्रबंधन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुपरविजन तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आरबीआई द्वारा अपनाई गई अच्छी नीतिगत प्रथाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। वित्तीय क्षेत्र से जुड़े उभरते और समसामयिक मुद्दों पर भी दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी।

डाक विभाग का एसएसएल से समझौता, डाकघरों से मिलेगी पूंजी बाजार सेवाओं की सुविधा

नई दिल्ली। डाक विभाग ने स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के साथ पूंजी बाजार सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता किया है। इस समझौते के तहत आम लोगों को अब डाकघरों और डिजिटल माध्यमों से डिमैट और ट्रेडिंग खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने, आईपीओ में भाग लेने और अन्य निवेश विकल्पों का लाभ उठाने जैसी तमाम सहूलियतें मिलेंगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता मंगलवार को नई दिल्ली स्थित डाक भवन में हुआ। इस साझेदारी का एक अहम हिस्सा वित्तीय जागरूकता और निवेशक शिक्षा है। एसएसएल निवेशक शिक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाएगा, जिसमें डाक विभाग भी सहयोग करेगा। खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों के नए निवेशकों को समझाने पर जोर रहेगा। डाक सचिव वंदिता कौल ने कहा कि यह सहयोग वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और विकसित भारत 2047 की सोच से जुड़ा है। डाक विभाग का डिजिटल नेटवर्क अब लोगों को सुरक्षित तरीके से पूंजी बाज़ार में भागीदारी करने में मदद करेगा। एसएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात कुमार दुबे ने कहा कि उन्हें डाक विभाग के साथ जुड़कर खुशी है।

वीबीजी रामजी को समाप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष: सीएम

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया है कि जब तक केंद्र सरकार वीबीजी रामजी (विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम को निरस्त कर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पुन: बहाल नहीं करती, तब तक यह संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 'मनरेगा बचाओ संग्राम' एवं 'राजभवन चलो' विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के माध्यम से गरीबों को प्राप्त संवैधानिक रोजगार के अधिकार को छीन लिया है।

महाराष्ट्र की राजनीति में छोटे पवार की बड़ी पावर...

चाचा की छाया से निकलकर अजित पवार बने महाराष्ट्र की राजनीति के बेताज बादशाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के बारामती के पास एनसीपी नेता और डिप्टी सीएम अजित पवार की निजी विमान दुर्घटना में मौत हो गई. प्लेन की लैंडिंग के दौरान ये हादसा हुआ, जिसमें अजित पवार सहित विमान में सवार सभी लोगों की जान चली गई.

सियासत के बेताज बादशाह कहे जाने वाले अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की उंगली पकड़कर राजनीति में कदम रखा था. उन्होंने अपनी राजनीतिक कौशल के जरिए पार्टी को महाराष्ट्र में मजबूत बनाया. पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एनसीपी को एक बड़ा जनाधार तैयार करने में अहम रोल अदा किया, लेकिन 2022 में शरद पवार से अलग अपनी राजनीतिक लकीर खींची और बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई.

अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की उंगली पकड़कर साल 1982 में राजनीति में कदम रखा. अजित पवार प्राथमिक शिक्षा की पढ़ाई कर रहे थे, तो उस दौरान उनके चाचा यानी शरद पवार एक दिग्गज सियासी नेता बन चुके थे. राजनीति में कदम रखने के बाद सबसे पहले उन्होंने एक सहकारी चीनी कारखाने के बोर्ड के लिए चुने लड़ा. वो पुणे सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में चुने गए, वो16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे।

साल 1991 में पहली बार बारामती संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुने गए, लेकिन बाद में उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए खाली कर दी. इसके बाद शरद पवार केंद्र में पीवी नरसिम्हा राव सरकार में रक्षा मंत्री बने. यहीं से शरद पवार केंद्र की राजनीति में खुद को सक्रिय कर लिया तो अजित पवार महाराष्ट्र की सियासत की कमान अपने हाथ में ले ली।

अजित पवार ने अपनी मेहनत और लगन के बाद खुद को शरद पवार के सियासी वारिस के तौर पर महाराष्ट्र में स्थापित किया. महाराष्ट्र की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली, इसके बाद साल 1995 में वो पहली बार पुणे जिले में बारामती विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने. इसके बाद से वो लगातार इस निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चुने जाते रहे, उन्होंने साल 1995, 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में विधायक बने. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में खुद को स्थापित ही नहीं किया बल्कि अपनी पकड़ भी बनाई.

अजित पवार ने अपने 45 साल के सियासी सफर में एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे. उन्होंने खुद को महाराष्ट्र के राजनीति तक सीमित रखा. सरकार में रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्री पद संभालने का तजुर्बा है, उन्होंने राज्य सरकार में कृषि, ऊर्जा और योजना राज्य मंत्री के रूप में काम किया, उन्होंने सुधाकर नाइक की सरकार में कृषि और बिजली राज्य मंत्री के रूप में काम किया, इसके बाद जब उनके चाचा शरद पवार 1992 और 1993 में मुख्यमंत्री बने तो उन्हें मंत्री बनाया गया। साल 1999 में जब कांग्रेस और एनसीपी सत्ता में आई तो उन्हें विलासराव देशमुख की सरकार सिंचाई मंत्री का कार्यभार सौंपा गया. वहीं, साल 2003-2004 में सुशील कुमार शिंदे की सरकार में उन्हें ग्रामीण विकास का अतिरिक्त प्रभार दिया गया. इसके बाद उपमुख्यमंत्री बने।

साल 2019 के बाद अजित पवार की राजनीतिक करियर काफी दिलचस्प रही. उन्होंने 2019 में दो अलग-अलग मुख्यमंत्री के अधीन उपमुख्यमंत्री की शपथ ली. 23 नवंबर की सुबह उन्होंने देवेंद्र फडनवीस के साथ उपमुख्यमंत्री की शपथ ली. लेकिन, सदन में फडनवीस बहुमत साबित करने में नाकाम रहे। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री की शपथ ली तो उन्हें एक बार फिर उपमुख्यमंत्री बनाया गया। अब साल 2023 में वो एक बार फिर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने हैं. वो अबतक छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बन चुके हैं।

अजित पवार पहली बार साल 2010 के नवंबर महीने में उपमुख्मंत्री बने, इसके बाद साल 2010 में वो दूसरी बार उपमुख्यमंत्री बने. 2019 में फडणवीस के साथ डिप्टीसीएम बने और फिर उद्धव ठाकरे के अगुवाई में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी तो उसमें भी डिप्टीसीएम रहे। इसके बाद 2023 में शरद पवार के बगावत कर शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में डिप्टीसीएम बने. 2024 में छठी बार डिप्टीसीएम बने।

अजित पवार जिस चाचा शरद पवार की उंगली पकड़कर राजनीति सीखा, लेकिन शरद पवार ने अपने सियासी वारिस के तौर पर बेटी सुप्रिया सुले को आगे बढ़ाने लगे तो फिर अजित पवार ने अपनी अलग सियासी राह चुन ली।

रूपाणी, माधवराव सिंधिया, संजय गांधी... अजित पवार से पहले इन पांच नेताओं की भी प्लेन क्रैश में गई जान

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती के पास एक प्लेन हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। इसी तरह के विमान हादसों ने भारत के कई और नेताओं की भी जान ली है जिसमें सबसे हालिया नाम गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 12 जून 2025 को एयर इंडिया के एक विमान से अहमदाबाद से लंदन जा रहे थे. विमान में कुल 242 लोग सवार थे। उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में विमान धू-धू कर जल उठा और विमान में सवार सभी लोग मारे गए, केवल एक यात्री को छोड़कर। विजय रूपाणी 68 साल के थे। उनके परिवार की तरफ से बताया गया कि वो अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे लेकिन प्लेन क्रैश में उनका निधन हो गया।2 सितंबर 2009 के दिन एक हेलिकॉप्टर क्रैश में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी का निधन हो गया। राजशेखर रेड्डी सुबह आठ बजकर 38 मिनट पर बेगमपट से चित्तूर जिले में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले। उन्हें साढ़े दस बजे तक प्रोग्राम में पहुंचना था लेकिन वो वहां कभी पहुंच ही नहीं सके।

उनका हेलिकॉप्टर बीच रास्ते में ही लापता हो गया और बहुत ढूंढने के बाद भी उसका कोई निशान नहीं मिला। अगले दिन तलाशी अभियान में वायु सेना को हेलिकॉप्टर का मलबा मिला।

हेलिकॉप्टर पहाड़ की चोटी से टकराकर क्रैश हुआ और पहाड़ियों में चारों तरफ उसका मलबा बिखर गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रेड्डी का शव इंजन के पास पड़ा था, क्षत-विक्षत हालत में। सिर पर कम बाल के आधार पर उनकी पहचान हो सकी। डॉ. जी.एम.सी. बालयोगी का निधन 3 मार्च 2002 को एक हेलिकॉप्टर हादसे में हो गया था। उस समय वो लोकसभा के स्पीकर थे। दुर्घटना आंध्रप्रदेश में हुई. जी.एम.सी. बालयोगी तेलगु देसम पार्टी के सदस्य थे।

कांग्रेस के दिग्गज नेता माधवराव सिंधिया का निधन 56 साल की उम्र में 30 सितंबर, 2021 को उत्तर प्रदेश में एक हेलिकॉप्टर क्रैश में हो गया। सिंधिया का हेलिकॉप्टर उत्तरप्रदेश के मैनपुरी जिले की भोगांव तहसील के पास मोता में क्रैश कर गया। वो एक सभा को संबोधित करने के लिए कानपुर जा रहे थे। विमान में उनके साथ छह अन्य लोग सवार थे। आगरा से 85 किलोमीटर दूर यह विमान क्रैश कर गया और विमान में सवार सभी लोग मारे गए।

संजय गांधी का प्लेन क्रैश: भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे बेटे और राजीव गांधी के भाई संजय गांधी को विमान उड़ाने का काफी शौक था।23 जून 1970 को दिल्ली में वो खुद अपना विमान उड़ा रहे थे। इसी दौरान उनका प्लेन क्रैश हो गया और इस विमान हादसे ने उनकी जान ले ली।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता एक ऐतिहासिक कदम: भाजपा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का स्वागत करते हुए इसे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को एक्स पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता सही मायनों में 'मदर ऑफ ऑल डील्स' है।

इस समझौते से भारत में मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी, सेवाओं का विस्तार होगा और भारतीय कंपनियों को यूरोप के बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निवेश बढ़ेगा, रोजगार के नए अवसर बनेंगे और भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

दुनिया की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुआ यह समझौता भारत-ईयू रिश्तों को नई ऊंचाई देगा और विकसित भारत के लक्ष्य को और तेज़ी से आगे बढ़ाएगा।

क्यूबा सरकार गिरने के कगार पर, वेनेजुएला से तेल-पैसे की सप्लाई रुकने से ट्रंप उत्साहित

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

ट्रंप क्यूबा को अलग-थलग करने और उस पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जो वॉशिंगटन की तरफ से लगाए गए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के तहत लंबे समय से विरोधी रहा है। ट्रंप का कहना है कि क्यूबा सरकार गिरने के कगार पर है और वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जाने के बाद क्यूबा को वेनेजुएला से तेल की कोई खेप नहीं मिलेगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि क्यूबा बहुत जल्दी असफल होने वाला है।% उन्होंने यह बयान इसलिए दिया क्योंकि वेनेजुएला- जो क्यूबा को तेल और धन देता था- अब मदद नहीं कर रहा है। जनवरी की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में एक सैन्य अभियान चलाया और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को एक ऑपरेशन में पकड़ लिया। ट्रंप का कहना है कि इसके बाद वेनेजुएला अब क्यूबा को तेल और पैसा नहीं भेज रहा है- और यही क्यूबा की अर्थव्यवस्था का बड़ा सहारा था। उन्होंने कहा कि क्यूबा असल में एक ऐसा देश है जो लगभग फेल होने वाला है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि वेनेजुएला में मादुरो की गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी। मानवाधिकार विशेषज्ञों ने ट्रंप की प्रतिक्रिया को साम्राज्यवाद जैसा बताया और कहा कि अमेरिका मुख्य रूप से तेल और सत्ता को नियंत्रित करने पर ध्यान दे रहा है। जब ट्रंप ने सुझाव दिया था कि कम्युनिस्ट शासित द्वीप को अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहिए, इस पर क्यूबा के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के पास क्यूबा के साथ कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि वह उसे किसी समझौते के लिए मजबूर करे।

जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत सिंह ने बीजेपी से की थी टिकट की दावेदारी, दिव्यांग प्रमाण पत्र की जांच में खुलासा

अयोध्या ■ एजेंसी

सीएम योगी का गुणगान करते हुए इस्तीफा देकर सुर्खियों में आए अयोध्या के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह की कहानी अब पूरी तरह पलट चुकी है. फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के नाम पर नौकरी पाने की जांच के बीच अब एक नया और बड़ा खुलासा हुआ है. अब पता चला है कि 2022 में जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर पद पर रहते हुए ही प्रशांत कुमार सिंह ने बीजेपी से मऊ जिले से विधानसभा टिकट की दावेदारी की थी. उस वक्त उन्होंने कुछ बैनर और पोस्टर्स लगाकर अपने लिए माहौल तैयार किया था. हालांकि टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया और नौकरी जारी रखी. समय के साथ प्रमोट होकर वे डिप्टी कमिश्नर बन गए और उनकी पोस्टिंग अयोध्या में हुई। इस्तीफे के बाद प्रशांत कुमार सिंह पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी पाने का गंभीर आरोप लगा. यह आरोप उनके सगे बड़े भाई डॉ. विश्वजीत सिंह ने लगाए. विश्वजीत सिंह का दावा है कि प्रशांत कुमार सिंह को फर्जी विकलांग सर्टिफिकेट के जरिए सरकारी नौकरी मिली. डॉ. विश्वजीत सिंह ने वर्ष 2021 में ही इसकी शिकायत दर्ज कराई थी. 20 अगस्त 2021 को उन्होंने प्रशांत कुमार सिंह के दिव्यांग प्रमाण पत्र के पुन: निरीक्षण की मांग की. इसके बाद मंडलीय चिकित्सा परिषद ने उन्हें मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने के लिए बुलाया, लेकिन वे दो बार उपस्थित नहीं हुए.

विश्वजीत सिंह ने एक पत्र भी वायरल किया, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रशांत कुमार सिंह के दिव्यांग प्रमाण पत्र की जांच दोबारा कराने को कहा गया था. उन्होंने आरोप लगाया कि इस्तीफा देना भी सिर्फ एक नाटक था, ताकि जांच और संभावित रिकवरी से बचा जा सके. डॉ. विश्वजीत सिंह के मुताबिक, प्रशांत कुमार सिंह ने जिस आंख की बीमारी को दिखाकर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाया, वैसी बीमारी 50 साल से कम उम्र में किसी को नहीं होती. इस पूरे मामले में अब मऊ ने जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता : नाटो प्रमुख

ब्रुसेल्स (बेल्जियम) ■ एजेंसी

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रट ने सोमवार को चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता और उसे इस स्थिति में पहुंचने के लिए सैन्य क्षमता के विस्तार पर दोगुना से कहीं अधिक खर्च करना होगा।

एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मार्क रट ने यहां यूरोपीय संसद की विदेश मामलों की समिति और सुरक्षा और रक्षा समिति के संयुक्त सत्र में कहा, 'अगर कोई यहां सोचता है कि यूरोपीय संघ, या पूरा यूरोप, अमेरिका के बिना खुद की रक्षा कर सकता है, तो सपने देखते रहें। आप नहीं कर सकते। हम नहीं कर सकते। हमें एक-दूसरे की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नाटो पर निर्भर है। रट ने नाटो सहयोगियों के बीच आपसी निर्भरता पर जोर देते हुए कहा, 'अगर आप सच में अकेले चलना चाहते हैं और जो लोग इसके लिए गुहार लगा रहे हैं, वे भूल जाएं, आप पांच प्रतिशत के साथ कभी वहां नहीं पहुंच सकते। आपको अपनी खुद की परमाणु क्षमता बनानी होगी जिसमें अरबों-खरबों यूरो खर्च होंगे। आप हार जाएंगे, फिर, उस स्थिति में, आप हमारी आजादी के अंतिम रक्षक को खो देंगे। मार्क रट ने नाटो और यूरोपीय संघ के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उनकी संयुक्त ताकत को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'ईयू लचीलेपन में बहुत अच्छा है, लेकिन ईयू विनियमन के मामले में बहुत सख्त है। और यहां, हमें विशेष रूप से विनियमन में ढील की जरूरत है।' उनकी यह टिप्पणी ग्रीनलैंड को लेकर चल रहे तनाव के बीच आई है। यह तनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डेनिश क्षेत्र को हासिल करने के कथित विवादास्पद प्रयास के बाद शुरू हुआ है। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में रट से मिलने के बाद अपना लहजा नरम किया और घोषणा की कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर एक फ्रेमवर्क डील पर चर्चा की है।

सामने आया सोनमर्ग का दहलाने वाला ये वीडियो

एवलांच का भयावह वीडियो बर्फीला तूफान, कुछ ही सेकंड में छाया गुबार

जम्मू/श्रीनगर। ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में सोनमर्ग में मंगलवार रात हिमस्खलन हुआ। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल इससे जानमाल को हुए नुकसान का पता नहीं चल सका है।

जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल सोनमर्ग से एक भयावह वीडियो सामने आया है। वीडियो में पहाड़ों से अचानक टूटकर गिरता एक विशाल बर्फीला सैलाब नजर आ रहा है। सैलाब को एवलांच कहते हैं। होटल इलाके का यह खौफनाक मंजर सीसीटीवी में कैद हो गया।

वीडियो फुटेज के अनुसार, कुछ ही सेकंड में पहाड़ों के बीच से बर्फ का गुबार उठता दिखा। देखते ही देखते पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में मंगलवार रात हुए हिमस्खलन की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

फिलहाल हिमस्खलन से जानमाल को हुए नुकसान का पता नहीं चल सका है। पीटीआई के वीडियो के अनुसार, सोनमर्ग में रात करीब सवा दस बजे आया हिमस्खलन सोनमर्ग रिसॉर्ट से टकराया। भीषण हिमस्खलन सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया जिसमें बर्फ इमारतों को अपनी चपेट में लेती हुई दिखाई दे रही है।

इसमें साफ दिख रहा है कि कैसे ऊंचे पहाड़ों से अचानक भारी मात्रा में बर्फ नीचे की ओर फिसलती है। कुछ ही सेकंड में बर्फ का यह विशाल बादल पूरे क्षेत्र को ढक लेता है। एवलांच होटल जोन के ऊपर गिर गया। इससे आसपास में अफरा-तफरी का माहौल गया। अधिकारियों ने सोमवार को जिले में उच्च तीव्रता या उच्च खतरे वाले हिमस्खलन की चेतावनी दी थी। सोनमर्ग और घाटी के अधिकांश अन्य हिस्सों में पिछले 24 घंटों में मध्यम से भारी हिमपात हुआ है।

जम्मू संभाग के ऊपरी इलाकों समेत पूरे कश्मीर में भारी बर्फबारी हुई। पूरी वादी सफेद चादर में लिपट गई है। लेह में भी भारी बर्फबारी हुई है। बर्फबारी से पर्यटन स्थल गुलजार हैं।

श्रीनगर शहर में दिन भर रुक रुककर हिमपात हुआ। श्रीनगर से 58 और जम्मू से 7 उड़ानें रद्द रहीं। श्रीनगर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निदेशक जावेद अंजुम ने बताया कि रनवे पर फिसलन के चलते श्रीनगर से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम सही होने पर उड़ानें फिर से शुरू की जाएंगी। श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर काजीगुंड और बनिहाल के बीच भारी बर्फ गिरी है। सड़क पर फिसलन है। किसी भी वाहन को आवाजाही की अनुमति नहीं है।

इससे राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। इनमें दो शव भी हैं। मुगल रोड और श्रीनगर-लेह हाईवे पहले से बंद हैं। बनिहाल और बडगाम के बीच पटरियों पर बर्फ होने के कारण कई ट्रेनें नहीं चलीं।

आदर्श योजना विभाग
संस्कृत संवर्धन की योजना
अन्तर्गत
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विज्ञापन संख्या: 01/2026 **दिनांक: 28.01.2026**

भर्ती की अधिसूचना 01/2026

संस्कृत संवर्धन के लिए भारत सरकार की केंद्रीय योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली (CSU) कार्यरत है। केंद्रीय योजनाओं में से एक, अर्थात 'आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs) / आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता की योजना (संशोधित आदर्श योजना-2022)' के अंतर्गत, देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता के लिए ASM/ASSS के रूप में मान्यता दी गई है। इस संदर्भ में, इस योजना में निहित प्रावधानों के अंतर्गत, देश के विभिन्न भागों में स्थित मान्यता प्राप्त ASMs/ASSSS में निम्नलिखित गैर शैक्षणिक/अन्य शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: -

पदों का नाम एवं स्तर (7वें वेतन आयोग के अनुसार)	पदों की संख्या	आरक्षण, पात्रता, योग्यता एवं अन्य आवश्यक शर्तें
कॉलेज लाइब्रेरीयन (शैक्षणिक स्तर-10)	04	पात्रता मानदंड, योग्यता, आयु सीमा, क्षेत्रवार भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का संस्थावार विभाजन, आरक्षण तथा अन्य आवश्यक शर्तों एवं आवेदन प्रक्रिया इत्यादि का विवरण विस्तृत अधिसूचना में उपलब्ध है। यह अधिसूचना सीएसयू (CSU) की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in Recruitment/Notification (भर्ती अधिसूचना) शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है साथ ही सबंधित संस्था की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है।
अनुभाग अधिकारी (स्तर 7)	01	
सहायक (स्तर 6)	15	
प्रोफेशनल असिस्टेंट (स्तर 6)	01	
यूडीसी (स्तर-4)	02	
एलडीसी (स्तर-2)	20	

आवेदन की प्रारंभिक तिथि 28.01.2026 है तथा विज्ञापन की अंतिम तिथि 27.02.2026 को रात 11.30 बजे (IST) तक है।

यह विज्ञापन उन 19 अनुदान प्राप्त आदर्श संस्थानों की ओर से केवल एक संक्षिप्त अधिसूचना है, जो संबंधित चयनित उम्मीदवारों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी हैं। अत: इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी आवश्यक जानकारी के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें।

cbc/21212/12/0004/2526

हस्ता./-
कुलसचिव (प्र.)

कट्टर हिन्दूवादी नेता उद्धवदास मेहता के नाम से जारी डाक टिकिट का विमोचन 1 फरवरी को

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल सहित अनेक नेता कार्यक्रम में होंगे शामिल

नबावी हुकूमत को हिन्दू हितों के लिये चुनौती देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भाईजी पर भोपाल को गर्व है

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हिन्दू हितों के लिये कड़ा संघर्ष करने वाले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भोपाल के प्रथम संघ संचालक भाई उद्धवदास मेहता के त्याग को यह शहर कभी नहीं भूल सकता। समाज के लिये समर्पण भाव से नबावी हुकूमत को चुनौती देने वाले एक मात्र कट्टर हिन्दू नेता भाईजी पर पूरे भोपाल को आज भी गर्व है। 9/8/1911 में जन्में भाईजी का 20/02/1986 में स्वर्गवास हो गया था। उद्धवदास जी मेहता के नाम से केन्द्र सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया है। इस डाक टिकिट का विमोन 01 फरवरी को कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेनशन सेन्टर भोपाल में सायं 5:00 बजे किया जाऐगा।

भाई उद्धवदास मेहता स्मृति न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अध्यक्षता-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विशिष्ठ अतिथि-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल होंगे। इसके अलावा अशोक पाडे, संघ संचालक मध्यभारत प्रांत, सांसद आलोक शर्मा, मंत्री विष्वास सारंग, मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक रामेष्वर शर्मा, विष्णु खत्री, भगवानदास सबनानी तथा निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी भी मुख्य रूप से शामिल होगे। न्यास के अध्यक्ष पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, सचिव धनेश चतुर्वेदी एवं समन्वय डॉ. दीपक मेहता द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप

भोपाल। दीपक कुमार अहिरवार पिता मिश्रीलाल अहिरवार ग्राम रायपुर जिला नर्मदापुरम निवासी ने आयोजित पत्रकार वार्ता में लड़की पक्ष निवासी वंदना परमालपितस्व सालक राम परमाल अवधपुरी भोपाल के द्वारा उनको प्रताड़ित किया जा रहा है इस संबंध में दीपक अहिरवार के द्वारा लड़की पक्ष के द्वारा प्रताड़ित किया जाने का आरोप लगाते हुए इस संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए विस्तृत जानकारी दी।

भोपाल समेत 30 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे

फसलों को भारी नुकसान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में मौसम अचानक बदल गया है। ठंड के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। जिसकी वजह से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई है।

दो सिस्टम के एक्टिव होने से मध्य प्रदेश में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का दौर जारी है। 24 घंटे के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। ग्वालियर में ढाई इंच पानी गिर गया। वहीं 8 जिलों में ओलावृष्टि दर्ज की गई। इससे गेहूं, चना और सरसों की फसलों को नुकसान पहुंचा है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, खंडवा, हरदा, विदिशा, नर्मदापुरम, खंडवा, बड़वानी, रतलाम, श्योपुर, उज्जैन, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, रीवा, सतना, टीकमगढ़, छतरपुर, शाजापुर, मंदसौर, आगर-मालवा, देवास, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, खरगोन, सीहोर, सागर, मऊगंज, धार आदि जिलों में 24 घंटे के अंदर बारिश का दौर चला।

ग्वालियर में सबसे ज्यादा ढाई इंच, गुना, शिवपुरी-सागर में 1 इंच, दतिया में पौन इंच और राजगढ़ में आधा इंच पानी गिर गया। उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, मुरैना, सीहोर, सागर, रायसेन व अन्य जिलों में ओले भी गिरे। बारिश, आंधी-ओले के मौसम के बीच बुधवार सुबह घना कोहरा भी छाया रहा।

ग्वालियर में सबसे कम विजिबिलिटी दर्ज की गई। यानी, यहां 50 मीटर के बाद कुछ नहीं दिखा। खजुराहो, भोपाल, दतिया, नर्मदापुरम, नौगांव, रीवा, सतना, राजगढ़, सागर, गुना, रायसेन, श्योपुर, बालाघाट, उमरिया, सिवनी, मंडला, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर में कोहरा दर्ज किया गया।

ग्वालियर-शिवपुरी में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल और इंदौर में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश हुई। जबकि ग्वालियर में लगातार बारिश के चलते ठंड बढ़ गई। हालात को देखते हुए ग्वालियर प्रशासन ने बुधवार को कक्षा 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

'अतिवृष्टि से फसलें बर्बाद', पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सरकार से की मुआवजा देने की मांग

मध्य प्रदेश में मौसम अचानक बदल गया है। ठंड के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। जिसकी वजह से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई है। इसे लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सरकार से सर्वे कराने और मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम सब किसानों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो शेयर किया हैं। जिसमें उन्होंने लिखा- खरगोन, आगर, गुना और उज्जैन सहित अन्य जिलों में ओलावृष्टि व अतिवृष्टि से किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं। किसान की मेहनत, उम्मीद कुछ मिट्टी में मिल गई है।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भोपाल चुनाव

गोयल और पाली का मुकाबला हुआ रोचक मतदान से पहले अब शर्तों का दौर शुरू

भोपाल ■ जगत शर्मा

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भोपाल के चुनाव अब रोचक दौर में पहुंच चुके हैं। जहां पर यह कह पाना मुश्किल है, कि किसका पलड़ा भारी है और कौन बाजी मार सकता है। जहां एक तरफ उन्नति पैनल के मुखिया और अध्यक्ष पद के दावेदार सुप्रसिद्ध उद्योगपति गोविंद गोयल मुकाबला में दमदार नजर आ रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ पूर्व अध्यक्ष तेजपाल सिंह पाली भी कड़ी टक्कर देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दोनों तरफ से आरोप प्रत्यारोपों का दौर जारी है। कुल मिलाकर कहा जाए तो आज मतदान के चार दिन पहले भी यह निश्चित तौर से कोई नहीं कह सकता कि यह चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा। उन्नति और प्रगतिशील पैनल कहीं भी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

वहीं चुनावी सरगर्मियों के बीच महानगर के व्यापारियों में शर्तें लगाने का दौर भी शुरू हो चुका है। लोग अपने-अपने पसंदीदा प्रत्याशी के ऊपर शर्त लगा रहे हैं इसके बाद शहर में चेंबर के चुनाव और अधिक रोमांचक मोड पर पहुंच गए हैं।

किसी की पसंद गोयल तो कोई पाली पर खेल रहा दांव

महानगर के कई क्षेत्रों में व्यापारी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भोपाल के चुनाव को लेकर शर्तें लग रहे हैं।

अध्यक्ष प्रत्याशी गोविंद गोयल और तेजपाल सिंह पाली के अतिरिक्त भी अन्य पदों पर दावेदारी कर रहे प्रत्याशियों पर भी शर्तें लगाई जा रही हैं। जहां एक तरफ बहुत सारे लोग उन्नति पैनल के अध्यक्ष प्रत्याशी गोविंद गोयल पर दांव खेल रहे हैं, तो कई दूसरे लोगों की पसंद तेजपाल सिंह पाली भी हैं। इसी तरह उन्नति और प्रगतिशील पैनल के अन्य पदों के दावेदार प्रत्याशियों पर भी शर्तें लगाई जा रही हैं।

जैसे उपाध्यक्ष पद पर आदित्य जैन मनियां, अमित गोयल पर लोग शर्तें लगा रहे हैं, तो महामंत्री पद के प्रत्याशी विनोद जैन एमपीटी पर भी शर्तें लगी हुई है।

इस तरह प्रगतिशील पैनल में भी उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी कमल पंजवानी, महामंत्री ललित तांतेड शर्तों के लिहाज से चेंबर के मतदाताओं की पसंद बने हुए हैं।

कुल मिलाकर कहा जाए तो चेंबर के चुनावों में वह सारे दांव पेंच देखने को मिल रहे हैं ,जो किसी बड़े या राजनीतिक चुनाव में देखने को मिलते हैं।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक व रंगारंग प्रस्तुतियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सभी शैक्षणिक संस्थानों सहित में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मानसरोवर समूह के सभी कैंपस में झंडावंदन किए जाने के पश्चात विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य, गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना से सभी को ओत-प्रोत कर दिया।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के गादिया कैंपस में प्रो-चांसलर प्रो. अरुण कुमार पाण्डेय द्वारा आयुर्वेद संचालक डॉ. बाबुल ताम्रकार और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में झंडावंदन किया गया।

मानसरोवर मेडिकल कॉलेज एवं एमजीयू हॉस्पिटल प्रांगण में डीन डॉ. अरविन्द अठावले द्वारा झंडावंदन किया गया। इस दौरान मेडिकल, नर्सिंग सुप्रीटेंडेंट आदि स्टाफ मौजूद रहे।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के हिनौतिया आलम प्रांगण में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ. ए.एस. यादव द्वारा झंडावंदन किया गया। उपस्थित सदस्यों में मानसरोवर डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुरुदत्त नायक, मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत, श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन की प्राचार्या मनीषा राठी सहित सभी संकायों के प्राचार्य, शिक्षक शिक्षिकाएं आदि उपस्थित रहे।

वहीं मानसरोवर पब्लिक स्कूल में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रो-वाइस चांसलर कर्नल एच. आर. रुहिल द्वारा झंडावंदन किया गया। इस दौरान मानसरोवर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सोजन जोसेफ सहित अन्य संकाय के प्राचार्य शिक्षक-शिक्षिकाएं आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर सचिन जैन सहित सागर सिंह, हिमांशु पाण्डेय और टीम के अन्य सदस्यों की प्रमुख भूमिका रही।

मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में धूमधाम से मना 77वां गणतंत्र दिवस

भोपाल एम्स में चेन लूटकर भागा बदमाश

भोपाल। देश के हाई-सिक्योरिटी स्वास्थ्य संस्थानों में शुमार भोपाल एम्स में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। रविवार शाम स्त्री रोग विभाग की महिला अटेंडर से लिफ्ट के अंदर चेन स्नेचिंग की सनसनीखेज वारदात हुई। आरोपी युवक बातचीत का बहाना बनाकर मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो सोमवार को वायरल हो गया। पीड़िता वर्षा सोनी स्त्री रोग विभाग में अटेंडर हैं। ड्यूटी के दौरान वह ब्लड बैंक के पीछे स्थित लिफ्ट से अकेली आ रही थीं। इसी दौरान मास्क और टोपी पहने एक युवक लिफ्ट में घुसा और नेत्र रोग विभाग का फ्लोर पूछने लगा। जैसे ही लिफ्ट तीसरे फ्लोर पर पहुंची, युवक पहले बाहर निकला और अचानक वापस लौटकर महिला के गले से मंगलसूत्र छीनने की कोशिश की। महिला ने विरोध किया, लेकिन आरोपी ने धक्का देकर खुद को छुड़ा लिया और सीढ़ियों से नीचे की ओर भाग निकला। आरोपी मंगलसूत्र लेकर फरार हो गया, जबकि मोतियों की माला टूटकर लिफ्ट में गिर गई। वारदात के वक्त लिफ्ट एरिया में कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था।

स्कूल में बच्चों ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

भोपाल। एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल भोपाल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के संचालक समीर प्रसाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर बच्चों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने राष्ट्रीय भक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां दी।

व्यापारियों का मिला अपार समर्थन

उन्नति पैनल द्वारा लालघाटी व्यापारियों व गोविंदपुरा क्षेत्र में उद्योगपतियों से बैठक कर चर्चा की गई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी में व्यापारियों की प्रतिष्ठित संस्था चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के चुनाव में उन्नति पैनल द्वारा व्यापक जनसंपर्क के साथ व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक का दौर भी जारी है। व्यापारिक संगठन और व्यापारी उत्साह पूर्वक अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल सहित पूरी उन्नति पैनल का समर्थन कर स्वागत कर रहे हैं।मंगलवार को लालघाटी क्षेत्र के व्यापारियों द्वारा उन्नति पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल की अगुवाई में सभी प्रत्याशियों का स्वागत किया गया और व्यापारियों ने एकमत होकर समर्थन देने की बात कही।

हर छोटे बड़े व्यापारी की समस्या को करेंगे दूर: इस अवसर पर गोविंद गोयल ने कहा हम पूरी तत्परता के साथ व्यापारिक और व्यापार के हित के लिए

खड़े हैं, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स की कार्यशैली बड़े से बड़े व्यापारी और छोटे से छोटे दुकानदार की समस्या दूर करने के लिए तत्पर रहेगी।

कमर्शियल टैक्स को लेकर उद्योगपतियों से हुई चर्चा: गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में उन्नति पैनल की ओर से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल सहित पूरी पैनल का स्वागत किया गया। इस दौरान उद्योगपतियों ने गोविंद गोयल से कहा कि उन्हें सबसे बड़ी समस्या कमर्शियल टैक्स को लेकर आ रही है, जिसके लिए भी सरकार से चर्चा करने की आवश्यकता है।इस दौरान सभी उद्योगपतियों से गोविंद गोयल ने कहा कि उन्नति पैनल की जीत होते ही सभी के साथ मिलकर सरकार से कमर्शियल टैक्स को लेकर उचित व्यवस्थाएं की जाएंगी।

जनसंपर्क में पूरी पैनल रही साथ

जनसंपर्क के दौरान उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी दय आदित्य जैन मनिया,अमित गोयल, अरविंद जैन सुपारी,महामंत्री पद के प्रत्याशी विनोद जैन एमपीटी, मंत्री पद के लिए अजय देवनानी, संजीव जैन गेहूं, सुनील जैनाविन,कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप सेवानी, सह कोषाध्यक्ष पद के लिए हेमंत अग्रवाल, अतिरिक्त कोषाध्यक्ष अमित कुमार बिंदल, कार्यकारिणी सदस्य के लिए वात्सायन जैन, सोनू भाभा, अभिषेक जैन, आदित्य महेश सिंघई, अखिलेश मित्तल, अनिल मिश्रा,अमित जैन सी एस, भारत गुप्ता, दीपक दुबे, जवाहर कोटवानी, कमल भंडारी, कृष्ण गोपाल मुखारिया, मनोज कुमार साहू, राजीव साहू डब्बू, राजेश गुप्ता मधुरम, सचिन जैन, स्मित जैन, बी आर सुलभ मित्तल, तेजेंद्र चावला आदि मौजूद थे।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल।मोबाईल नं. 9827054436 ।